शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 159 | गुवाहाटी | गुरुवार, 4 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एनसीसी शिविर में पहली बार शामिल हुआ पूर्वोत्तर की 45 लड़कियों का बैंड पेज 2
गुणोत्सव के दौरान मूल्यांकनकर्ताओं के लिए केवल शाकाहारी भोजन का निर्देश पेज 3
प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री 16 हजार करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे... पेज 5
पैट कमिंस की धारदार गेंदबाजी के बाद संकटमोचक बने आमेर जमाल... पेज 7

देरगांव में भीषण सड़क हादसा, तीन बच्चों समेत 14 की मौत, 30 घायल

राष्ट्रपति, पीएम, राज्यपाल, सीएम समेत कईयों ने दुख व्यक्त किए

गोलाघाट (हि.स./एजे)। गोलाघाट जिले के देरगांव के बालीजान में आज तड़के लगभग पांच बजे एक बड़ा हादसा हुआ। 45 लोगों को ले जा रही एक अल्ट्रा बस ट्रक से भिड़ गई। इस हादसे में तीन बच्चों समेत कम से कम 14 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, 30 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस का कहना है कि गोलाघाट के भरलुआ गांव से लगभग 45 लोगों का एक समूह पिकनिक मनाने तिनसुकिया टिलिंगा मंदिर की ओर जा रहे थे। इस दौरान बस मार्घेरिटा की ओर से आ रहे एक ट्रक (एएस-01पीसी-0648) से बस (एएस-02एसी-5383) की सीधी टक्कर हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बस का सफर सुबह तीन बजे शुरू हुआ था। रास्ते में ही कोयले से लदे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। पुलिस ने कहा कि चार लेन राजमार्ग का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण ट्रक गलत दिशा से जोरहाट की ओर से आ रहा था, जबकि बस सही लेन में थी। सुबह कोहरा था और दोनों वाहन तेज गति में थे। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में एक ही परिवार के कई लोगों की जान गई है। गोलाघाट के जिला आयुक्त पी उदय प्रवीण देरगांव सामुदायिक अस्पताल पहुंचे और घायलों के साथ-साथ रिश्तेदारों से भी मुलाकात की। माना जा रहा है कि घने कोहरे की वजह से यह हादसा हुआ। उधर गंभीर रूप से घायल 24 लोगों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जेएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। दो घायलों की जोरहाट मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत होने की सूचना है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि कितने लोगों की मौके पर ही मौत हुई। मृतकों में से आठ की पहचान कर ली गई है। इनमें ट्रक ड्राइवर और एक बस ड्राइवर भी शामिल हैं। इस हादसे में अनिमा सैकिया (60), शुभंकर सैकिया (13), निहारिका सैकिया (10), दिपाली सैकिया (37), नवजीत सैकिया (40), पिंकी सैकिया (48), रिंकी बोरा (18), ट्रक चालक नूर आलम (34) की जान गई है। वहीं दुर्घटना की जानकारी मिलते ही -शेष पृष्ठ दो पर

देरगांव दुर्घटना की जांच करेगी सरकार : परिमल

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के परिवहन आदि मामलों के मंत्री परिमल शुक्लबैद्य ने देरगांव बस दुर्घटना को लेकर कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो सरकार मामले की जांच करेगी। वे आज मीडिया में प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इससे संबन्धित सभी विभागों को जांच के दायरे में लाया जाएगा। अगर सड़क निर्माण कंपनी की लापरवाही की वजह से यह दुर्घटना हुई है, तो सरकार कंपनी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगी। गोलाघाट जिला के देरगांव के बालीजान में आज तड़के लगभग पांच बजे हुए सड़क हादसे में तीन बच्चों समेत 12 लोगों की जान चली गई।

कोहरा छंटने से पहले पिकनिक वाहनों के चलने पर रोक

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने पिकनिक मनाने वालों के लिए एक नियम जारी किया है। गोलाघाट जिले में हुई इस घातक दुर्घटना के कुछ घंटों बाद राज्य सरकार ने सभी पिकनिक जाने वालों के लिए एक एसओपी जारी की। एसओपी के अनुसार पिकनिक के उद्देश्य से यात्रियों को ले जाने वाली बसें सुबह कोहरा छंटने के बाद ही संचालित हो सकती है और शाम को कोहरा शुरू से पहले घर पहुंचनी चाहिए। मीडिया से बात करते हुए आज मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाञ्चल কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जन्म-मरण में दु:ख ही है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

देश के 11 राज्यों में पहुंचा कोरोना का नया वेरियंट

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में जहां कोरोना के नए मामलों में बढ़ोतरी हो रही है वहीं इसके नए वेरियंट जेएन.1 के 511 मामलों की पुष्टि की जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस नए वेरियंट जेएन.1 के मामले अबतक 11 राज्यों में मिले हैं। इनमें कर्नाटक से 199, केरल से 148, गोवा से 47, गुजरात से 36, महाराष्ट्र से 32, तमिलनाडु से 26, दिल्ली से 15, राजस्थान से 4, तेलंगाना से 2, ओडिशा से 1 और हरियाणा से 1 मामले की पुष्टि की गई है। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जेएन.1 -शेष पृष्ठ दो पर

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती का कोई प्रस्ताव नहीं : पुरी

नई दिल्ली (हि.स.)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ईंधन की कीमत में कटौती के बारे में मीडिया रिपोर्टों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता ऊर्जा की उपलब्धता बनाए रखना है। उन्होंने बुधवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती का कोई प्रस्ताव नहीं है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें अभी बहुत ज्यादा अस्थिर हैं।

हिट एंड रन नए कानून के विरोध में ट्रक-चालकों की देशव्यापी हड़ताल समाप्त

नई दिल्ली (हि.स.)। हिट एंड रन मामले में नए कानून को लेकर ट्रक चालकों की तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल खत्म हो गई है। चालकों ने केंद्र सरकार के आश्वासन और ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के अपील के बाद अपनी हड़ताल को समाप्त कर दिया है। हालांकि, कई शहरों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के महासचिव नवीन कुमार गुप्ता ने बुधवार को बताया कि केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने एआईएमटीसी के साथ मंगलवार को बैठक की थी। गृह मंत्रालय ने भारतीय न्याय संहिता के तहत हिट एंड रन मामलों के नए प्रावधानों से संबंधित चिंताओं पर चर्चा करने के लिए बैठक के बाद कहा कि नया कानून अभी लागू नहीं होगा। बैठक के बाद गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने कहा कि हाल ही में पारित भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणोदय में दियुंगबरा के एक हजार लोगों को शामिल करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

डिमा हसाउ (हि.स.)। मुख्यमंत्री ने अपने प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम अरुणोदय योजना के विस्तार की घोषणा की है। जिसमें विशेष रूप से डिमा हसाउ जिले के दियुंगबरा निर्वाचन क्षेत्र में एक हजार नए लाभार्थियों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा आज दियुंगबरा जेबी हेग्जेर स्कूल खेल के मैदान में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। ज्ञात हो कि आगामी 8 जनवरी को होने जा रहे उत्तर कछार पर्वतीय स्वायत्तशासी परिषद चुनाव के मद्देनजर एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वे दियुंगबरा निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से वादा करते हैं कि चुनाव के बाद राज्य सरकार विशेष रूप से अरुणोदय योजना के तहत दियुंगबरा निर्वाचन क्षेत्र के एक हजार लोगों को लाभ प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि माताओं को उनके खाते में मासिक 1250 रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार तीन महीने के भीतर दियुंगबरा निर्वाचन क्षेत्रों के सभी परिवारों को राशन कार्ड भी प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 दिसंबर, 2020 को शुरू की गई। इस योजना में अरुणोदय 2.0 की शुरुआत के साथ सुधार हुआ है। 11 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री ने कोकराझाड़ में आयोजित एक कार्यक्रम में इसके नए लाभार्थियों को अरुणोदय कार्ड के वितरण की शुरुआत की। योजना के असम में -शेष पृष्ठ दो पर

जेलों में जाति के आधार पर भेदभाव

एससी ने केंद्र समेत 11 राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र और उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत 11 राज्यों से जेल में जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव के आरोप पर जवाब मांगा है। कोर्ट ने यह कार्यवाही एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए की, जिसमें यह दावा किया गया है कि राज्यों की जेल नियमावली कारागार में जाति के आधार पर भेदभाव को बढ़ावा देती है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड, न्यामूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को इस मामले की -शेष पृष्ठ दो पर

कासिम सुलेमानी की कब्र के पास दो विस्फोट, 73 लोगों की मौत, 170 घायल

तेहरान। ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की कब्र के पास त्वरित उत्तराधिकार में दो विस्फोटों में 70 से अधिक लोग मारे गए और कई घायल हो गए, क्योंकि देश ने इराक में अमेरिकी ड्रोन हमले में उनकी हत्या की सालगिरह मनाई थी। साहेब अल-जमान मस्जिद के पास एक बड़ा विस्फोट सुना गया, जहां ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के विदेशी अभियानों के प्रमुख को दक्षिणी ईरान के करमान में दफनाया गया है। साहेब अल-जमान मस्जिद के पास दूसरा विस्फोट सुना गया। रॉयटर्स के अनुसार, करमन प्रांत रेड क्रिसेंट बचाव दल के प्रमुख रेजा फल्लाह ने कहा कि हमारी त्वरित प्रतिक्रिया टीमें घायलों को निकाल रही हैं... लेकिन भीड़ सड़कों को अवरुद्ध कर रही है। ईरानी राज्य टीवी ने बताया कि कासिम सोलेमानी के दफन स्थान के पास सुना गया था, लेकिन विस्फोट के कारण के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया। बताया गया कि विस्फोटों -शेष पृष्ठ दो पर

वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत डायल करें 1930, बैंकों में फ्रीज हो जाएगा पैसा

नई दिल्ली (हि.स.)। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी रोकने के लिए केंद्र सरकार गंभीरता से काम कर रही है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने *1930* हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के सीईओ राजेश कुमार ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि साइबर ठगी के शिकार होने पर एक घंटे के अंदर 1930 पर फोन कर शिकायत दर्ज करवाता है तो पैसे वापस होने की संभावना अधिक रहती है। यह जांच एजेंसियों के लिए गोल्डेन टाइम होता है। इस दौरान ठगी के पैसे को बैंकों में ही फ्रीज करवा दिया जाता है। ऐसे में समय -शेष पृष्ठ दो पर

श्रमजीवी विस्फोट कांड : दोनों आतंकियों को मिली मृत्युदंड की सजा

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के सिंगरामऊ के हरपालगंज रेलवे स्टेशन के समीप हरिहरपुर क्रासिंग के पास श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन में 28 जुलाई 2005 को हुए बम विस्फोट के मामले के बुधवार को दोपहर बाद 4.15 बजे अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम राजेश कुमार राय ने दोनों दोषी आतंकी बांग्लादेश निवासी हिलालुद्दीन उर्फ हिलाल व बंगाल निवासी नफीकुल विश्वास को मृत्युदंड की सजा सुनाया। इसके साथ ही अलग-अलग धाराओं में जुर्माना भी लगाया। इस दौरान न्यायालय परिसर में सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रही। सजा सुनाए जाने के बाद दोषी दोषियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में जिला जेल ले जाया गया। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम की अदालत में मंगलवार को सजा के बिंदु पर बहस हुई थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायाधीश ने सजा सुनाने के लिए बुधवार की तिथि नियत की थी। दोनों आतंकियों को 22 दिसंबर को दोषी करार दिया गया था। बुधवार को अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम की अदालत में श्रमजीवी -शेष पृष्ठ दो पर

लक्षद्वीप का क्षेत्र छोटा हो सकता है, लेकिन इसका दिल बहुत बड़ा है : प्रधानमंत्री

कावारत्ती। पीएम मोदी ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में 1,156 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लक्षद्वीप का क्षेत्र छोटा हो सकता है, लेकिन इसका दिल बहुत बड़ा है। मैं यहां मिल रहे प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हूं। मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि 2020 में, मैंने आपको गारंटी दी कि अगले 1000 दिनों के भीतर आपको तेज इंटरनेट सुविधा मिलेगी। आज, कोच्चि-लक्षद्वीप सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया गया है। अब, लक्षद्वीप में इंटरनेट 100 गुना अधिक गति से उपलब्ध होगा। पीएम मोदी ने कहा कि कि आजादी के बाद दशकों तक केंद्र में रहीं सरकारों की एकमात्र प्राथमिकता अपने राजनीतिक दलों का विकास करना था। दूर-दराज के राज्यों, सीमावर्ती क्षेत्रों या समुद्र के बीच के राज्यों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। आखिरी में 10 साल में हमारी सरकार ने सीमावर्ती इलाकों और समुद्र के किनारे के इलाकों को अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एनसीसी शिविर में पहली बार शामिल हुआ पूर्वोत्तर की 45 लड़कियों का बैंड

नई दिल्ली (हि.स.)। इस साल के एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने के लिए पहली बार 45 लड़कियों का एक बैंड शामिल हुआ है। इस बैंड में शामिल लड़कियां 13-15 आयु वर्ग की हैं, जो उत्तर पूर्व की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं। शिविर में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के 122 और उत्तर पूर्व के 177 कैडेट्स भी शामिल हुए हैं। आने वाले दिनों में उपराष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, रक्षा राज्यमंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित कई गणमान्य व्यक्ति शिविर का दौरा करेंगे। दिल्ली कैंट में मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने बताया कि एक महीने तक चलने वाले शिविर में कुल 2,274 कैडेट भाग ले रहे हैं, जिसमें देशभर से 907 ल ?कियां शामिल हुई हैं। शिविर में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के 122 और उत्तर पूर्व के 177 कैडेट्स भी शामिल हुए हैं। इसके

अलावा यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 25 मित्र देशों के कैडेट और अधिकारी भाग ले रहे हैं। डीजी ने कहा कि गणतंत्र दिवस शिविर का उद्देश्य राष्ट्र की समृद्ध परंपराओं से परिचित कराना और कैडेटों की मूल्य प्रणाली को मजबूत करना है। यह शिविर राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देगा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से विविधता में एकता को मजबूत करेगा। लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने 2023 में हुई एनसीसी की प्रमुख गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पिछले साल 39 एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर आयोजित किए गए, जिनमें दो वाइब्रेंट विलेज एरिया कैंप, तीन डीआरडीओ कैंप और एक एयरोस्पेस कैंप शामिल हैं। इसके अलावा मेगासाइक्लोथॉन, नारी बंधन दौड़, पर्वतारोहण अभियान और जी-20 आयोजनों में एनसीसी की उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि युवाओं की बदलती आकांक्षाओं को देखते हुए कैडेटों के प्रशिक्षण को परिष्कृत किया गया है। इसमें कैडेटों के कौशल में सुधार करके उन्हें उनकी भविष्य की आवश्यकताओं के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

हिंडनबर्ग मामला : एससी के फैसले पर अडाणी ने कहा-सत्यमेव जयते

नई दिल्ली (हि.स.)। उद्योगपति गौतम अडाणी ने हिंडनबर्ग विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। बुधवार को सर्वोच्च अदालत का फैसला आने के बाद अडाणी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि *सच्चाई की जीत* हुई, उनका समूह भारत की वृद्धि की कहानी में योगदान देना जारी रखेगा। वहीं, अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में जोरदार उछाल दिख रहा है। गौतम अडाणी ने एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला दिखाता है कि सच्चाई की जीत हुई है- सत्यमेव जयते। उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों का आभारी हूं, जो उनके साथ खड़े रहे। इस बीच सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद बॉंबे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 17.83 फीसदी, एनडीटीवी में 11.39 फीसदी, अडाणी टोटल गैस में 9.99 फीसदी, अडाणी ग्रीन एनर्जी में 9.13 फीसदी और अडाणी एंटरप्राइजेज में 9.11 फीसदी का उछाल दिखने को मिला है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की बेंच ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को अपनी लंबित जांच तीन महीने में पूरी करने को कहा है। इसके साथ ही पीठ ने कहा कि इस मामले में किसी और जांच की जरूरत नहीं है। उल्लेखनीय अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडाणी समूह पर शेयर मूल्य में हेराफेरी के आरोप लगाए गए थे।

कोर्ट से घर लौट रही महिला के साथ दो दर्जन लोगों ने किया दुर्व्यवहार

बेलगावी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बेलगावी में एक महिला के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, महिला के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, महिला ने यौन उत्पीड़न को लेकर बैलहोंगल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने कहा कि वह अपनी कृषि भूमि पर अतिक्रमण के मामले में अदालत में गई थी। जब वह अपने घर वापस लौट रही थी तो तभी बस स्टॉप पर अचानक 25 से 30 लोगों ने हमला कर दिया। महिला का आरोप है कि हमलावरों ने उनके बाल खींचे और निजी अंगों को भी छुआ। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्होंने मुझे बस स्टॉप से खींचा और पंचायत कार्यालय में बंद कर दिया। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पैसे और मोबाइल भी छीन लिया गया।

कोहरे से ट्रेन यात्रा नहीं होगी प्रभावित लोको पॉयलट होंगे फॉग डिवाइस से लैस

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय रेलवे ने कोहरे के दौरान सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए 19,742 जीपीएस आधारित पोर्टेबल फॉग पास डिवाइस उपलब्ध कराए हैं। फॉग पास एक जीपीएस आधारित नेविगेशन डिवाइस है, जो लोको पायलट को घने कोहरे की स्थिति में ट्रेन चलाने में मदद करता है। रेल मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मध्य रेलवे में 560, पूर्वी रेलवे में 1103, पूर्व मध्य रेलवे में 1891, पूर्वी तटीय रेलवे में 375, उत्तर रेलवे में 4491, उत्तर मध्य रेलवे में 1289, पूर्वोत्तर रेलवे में 1762, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में 1101, उत्तर पश्चिम रेलवे में 992, दक्षिण मध्य रेलवे में 1120, दक्षिण पूर्व रेलवे में 2955, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 997, दक्षिण पश्चिम रेलवे में 60 और पश्चिम मध्य रेलवे में 1046 फॉग पास डिवाइस उपलब्ध कराए गए हैं। हर साल, सर्दियों के महीनों में कोहरे के दौरान विशेष रूप से देश के उत्तरी हिस्सों में बड़ी संख्या में ट्रेनें प्रभावित होती हैं। सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल ने कोहरे के मौसम के दौरान 19,742 फॉग पास डिवाइस का बंदोबस्त किया है। यह पहल ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार, देरी को कम करने और समग्र यात्री सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फॉग पास डिवाइस लोको पायलटों

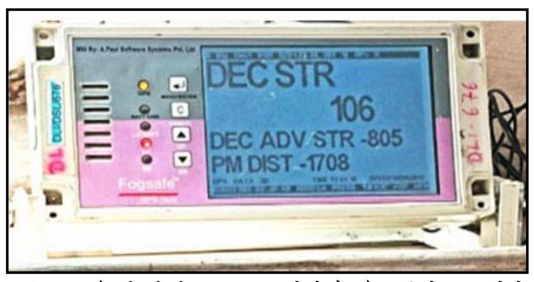

घूस देकर हुई थीं अवैध भर्तियां, सीबीआई ने एचसी को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में नगर पालिकाओं में नौकरी के बदले पैसे के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अब तक की जांच से पता चला है कि राज्य के 17 शहरी निकायों में पैसे देकर कुल 1,829 अवैध भर्तियां हुई थीं। सीबीआई ने बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की एकल-न्यायाधीश पीठ को सौंपी गई एक गोपनीय रिपोर्ट में भी इस आंकड़े का उल्लेख किया है। सीबीआई के अनुसार ये सभी भर्तियां निजी प्रमोटर अयान सिल के स्वामित्व वाली आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से की गई थीं।

यूपी में बच्चों के स्कूटी, बाइक और कार चलाने पर लगी रोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब 18 साल से कम उम्र के लड़के/लड़कियों पर 2 पहिया और 3 पहिया वाहन चलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग गया है। इस दौरान अगर कोई परिजन अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए देते हैं तो उन्हें 3 साल की जेल की सजा और 25 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। यह आदेश उत्तर प्रदेश परिवहन यातायात कार्यालय की तरफ से शिक्षा निदेशक माध्यमिक को भेजा गया है। बता दें कि यह आदेश उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की तरफ से दिए गए निर्देश के बाद जारी किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आदेश में कहा गया है कि यदि कोई भी परिजन अपने 18 साल से कम उम्र के बच्चों (लड़काझलड़की) को स्कूटर, बाइक या कार चलाने को नहीं देंगे। अगर वह ऐसा करते हैं तो उसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। अगर कोई नाबालिग वाहन चलाता पकड़ा जाता है तो इसके लिए इनके परिजनों को दोषी माना जाएगा। ऐसे माता-पिता को 3 साल की सजा और 25 हजार रुपए के जुर्माने का दंड दिया जा सकता है और साथ ही उनके वाहन का लाइसेंस 1 साल तक के लिए निरस्त कर दिया जाएगा। आदेश के अनुसार अगर कोई नाबालिग (लड़का-लड़की) वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है तो ऐसे बच्चों को ड्राइविंग लाइसेंस 25 साल उम्र के बाद ही बनेगा।

जींद में प्राइवेट बसों, ट्रक यूनियन की हड़ताल हुई समाप्त

जींद (हिंस)। हिट एंड रन कानून वापस वापस करवाने की मांग को लेकर पिछले दो दिन से चली आ रही चालकों की हड़ताल बुधवार को समाप्त हो गई। वहीं नरवाना में ट्रांसपोर्ट यूनियन की हड़ताल अभी भी जारी है। इस ट्रांसपोर्ट यूनियन के तहत पिकअप, कैंटर, मैक्सी कैब समेत छोटे व्हीकल चालक शामिल हैं। सब्जी मंडी एसोसिएशन के प्रधान मोहित गुंबर ने कहा कि ट्रांसपोर्टर की हड़ताल समाप्त होने से अब पहले की तरह फलों व सब्जियों का मंडी में आवागमन शुरू हो गया है। जींद की मंडी बाहर से फल तथा सब्जी आती हैं। दो दिन की हड़ताल के चलते आवक कम हुई थी। जिसके चलते फलों व सब्जियों के दामों में धीरे-धीरे इजाफ हो रहा था। अब हड़ताल समाप्त होने से आमजन को परेशानी नही होगी। बुधवार को भी नरवाना ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी और दूसरे चालक बद्दोवाल टोल प्लाजा पर धरना देकर बैठे रहे। यूनियन के पदाधिकारी आने-जाने वाले भारी वाहन चालकों से आंदोलन और हड़ताल में शामिल होने की अपील करते रहे। वहीं प्राइवेट बसों के दोबारा से रूट पर आने के चलते यात्रियों को राहत मिली है। पिछले दो दिनों से जिलेभर की 165 बसों के पहिये थमे हुए थे।

पेट्रोल नहीं मिला तो घोड़े पर गया जोमैटो का डिलीवरी ब्वॉय

हैदराबाद। हैदराबाद के चंचलगुड़ा में एक युवक जोमैटो (जोमैटो) की डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। इसी बीच सोशल मीडिया पर उसकी एक वीडियो खूब हो रही है। वायरल होने वाले इस वीडियो ने लोगों को काफी हैरान कर दिया है। दरअसल, वीडियो में दिखाया गया है कि युवक घोड़े पर सवार होकर जोमैटो की डिलीवरी कर रहा है। जब उस युवक से राह में मिले लोगों ने कारण पूछा, तो उसने बताया कि पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन के कारण उसे बाइक पर पेट्रोल भरवाने में समय लगता था, इसलिए उसने घोड़े का सहारा लिया। उसने कहा कि पेट्रोल की कमी के कारण हड़ताल के दिनों में बाइक से पेट्रोल भरवाना मुश्किल हो जाता है, इसलिए मैंने घोड़े का इस्तेमाल किया। इस अनोखे तरीके से डिलीवरी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, और लोग इस युवक की उन्नत सोच की सराहना कर रहे हैं। यह घटना उस समय की है, जब केंद्र सरकार ने हिट एंड रन केस में नए प्रावधान लागू किए हैं, जिसके तहत 7 लाख तक का जुर्माना और 10 साल तक की कारावास की सजा है। हालांकि, इस कानून के खिलाफ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कई इलाकों में हड़ताल हो रही है। इसी बीच, पेट्रोल-डीजल की कमी के कारण हड़ताल के दिनों में कई पेट्रोल पंपों पर लंबी लाइनें देखने को मिल रही हैं। सरकार ने तो यह बताया है कि नया कानून जल्दी लागू नहीं होगा, लेकिन इसके बावजूद लोग पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति में बाधा का सामना कर रहे हैं। इस समय, युवक की जज्बा और उन्नत सोच की सराहना हो रही है, और लोग उसे सोशल मीडिया पर बधाईयां भेज रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

हिट एंड रन नए...

न्याय संहिता के तहत हिट एंड रन मामलों के नए प्रावधानों को अभी तक लागू नहीं किया गया है। भल्ला ने कहा कि *हिट एंड रन* (दुर्घटना के बाद मौके से भाग जाना) मामलों से संबंधित नया दंड प्रावधान लागू करने का निर्णय (एआईएमटीसी) से परामर्श के बाद ही लिया जाएगा। गृह सचिव ने एआईएमटीसी और सभी आंदोलनकारी ट्रक चालकों से काम पर लौटने की अपील की। सरकार के इस फैसले के बाद ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने भी कहा है कि ट्रक चालकों की हड़ताल वापस होगी। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने ट्रक चालकों से अपील की है कि वे काम पर लौट जाएं। देशभर में 80 लाख से ज़्यादा ट्रक चालक हैं। ये लोग हर दिन लोगों की जरूरत का सामान एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचाते हैं। ट्रक चालकों की हड़ताल से देश में करीब दो हजार पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल की कमी हो गई थी, जबकि सब्जियों के दाम में भी इजाफा हुआ है। दरअसल, हिट एंड रन नए कानून, भारतीय न्याय संहिता की धारा 104 में शामिल है। इसमें चालकों की लापरवाही से पीड़ित की मौत होने पर 10 साल की सजा और 7 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है, जिसके विरोध में ट्रक चालक तीन दिवसीय हड़ताल पर थे।

देरगांव में भीषण ...

पुलिस और राहत-बचाव कर्मियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उधर जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने संवाददाताओं को बताया कि अस्पताल में करीब 30 घायलों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ की हालत गंभीर है। इधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस हादसे पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि असम के गोलाघाट में हुई सड़क दुर्घटना में अनेक लोगों की आकस्मिक मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। गोलाघाट में हुए सड़क हादसे पर पीएम मोदी ने भी शोक जताया है। उन्होंने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। वहीं गोलाघाट सड़क दुर्घटना में मारे गए मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है। गोलाघाट सड़क दुर्घटना को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है और साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ हो जाने की ईश्वर से प्रार्थना की है। इस दुर्घटना में मारे गए सभी मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि गोलाघाट जिले के देरगांव के बालीजान में बुधवार तड़के लगभग पांच बजे पिकनिक मनाने जा रहे लोगों के एक समूह की बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में तीन बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ट्रक एवं बस के ड्राइवर भी शामिल हैं। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने भी आज सुबह गोलाघाट जिले के देरगांव के बालीजान इलाके में एक यात्री बस और ट्रक के बीच हुई दुखद टक्कर में लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। राज्यपाल ने आज यहां एक बयान में कहा कि गोलाघाट जिले में इस सड़क दुर्घटना के कारण हुई लोगों की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। उन्होंने कहा कि मैं दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्यपाल ने यह भी कहा कि स्थानीय प्रशासन पूरी लगन से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि दिवंगत आत्माओं को शाश्वत शांति मिले और उनकी यादें पीछे छूट गए लोगों के लिए सांत्वना का स्रोत बनें। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने देरगांव में हुई भीषण बस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि स्थानीय प्रशासन इस मुश्किल की घड़ी में घायलों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उल्लेखनीय है कि गोलाघाट जिले के देरगांव के बालीजान में बुधवार तड़के लगभग पांच बजे पिकनिक मनाने जा रहे लोगों के एक समूह की बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में तीन बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ट्रक एवं बस के ड्राइवर भी शामिल हैं।

कोहरा छंटने से ...

को इतनी सुबह पिकनिक के लिए यात्रा शुरू नहीं करनी चाहिए। आज राज्य पुलिस ने एक एसओपी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि बसें सुबह कोहरा साफ होने के बाद ही संचालित हो सकती हैं और शाम को कोहरा शुरू होने से पहले वापस आना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि कोहरे के कारण सुबह 4:30 बजे कुछ भी नहीं दिखता है, इसलिए लोगों को पिकनिक के लिए इतनी जल्दी यात्रा शुरू करने से बचना चाहिए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने इस भयावह बस दुर्घटना पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी।

अरुणोदय में दियुंगबरा...

अतिरिक्त 7.3 लाख लाभार्थी जोड़े गए हैं। जिससे प्राप्तकर्ताओं की कुल संख्या बढ़कर 26 लाख हो जाएगी। इसमें दियुंगबरा में लक्षित एक हजार नए लाभार्थी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को 1,250 रुपए हर महीने की 10 तारीख को उनके खाते में जमा किया जाता है। मुख्यमंत्री ने निकट भविष्य में लाभार्थियों की संख्या और बढ़ाने के संकेत दिये हैं, जिससे यह राज्य में सबसे बड़ी प्रत्यक्ष निधि हस्तांतरण योजना बन जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुणोदय योजना के लिए पात्रता के लिए आवेदकों को असम का स्थायी निवासी होना, पारिवारिक आय 2 लाख रुपए से कम होना और एनएफएसएस योजना का सदस्य होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अरुणोदय 2.0 योजना के तहत नए लाभार्थियों को अरुणोदय कार्ड का औपचारिक वितरण 12 अक्तूबर को आयोजित किया गया था, जो प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के माध्यम से गरीबी से निपटने और महिलाओं को सशक्त बनाने के राज्य के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एससी ने केंद्र ...

सुनवाई की। इसमें वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर ने बताया कि कैसे 11 राज्यों की जेल नियमावली अपनी जेलों के भीतर कार्य के बंटवारे में भेदभाव करती है और जाति के आधार पर कैदियों को रखा जाना तय होता है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि कुछ गैर अधिसूचित आदिवासियों और आदतन अपराधियों से अलग तरीके से बर्ताव किया जाता है और उनके साथ भेदभाव होता है। कोर्ट ने अधिवक्ता एस मुरलीधर से सभी राज्यों की जेल नियमावली को एकत्र करने को कहा और याचिका को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। इसके साथ ही पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और अन्य को नोटिस जारी कर सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह महाराष्ट्र के कल्याण की मूल निवासी सुकन्या शांता द्वारा दायर जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दों से निपटने में अदालत की सहायता करें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता का कहना है कि जेल की बैरकों में मानव श्रम के आवंटन के संबंध में जाति आधारित भेदभाव है और इस प्रकार का भेदभाव गैर अधिसूचित आदिवासियों और आदतन अपराधियों के साथ है। केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस जारी करेंज। इस पर सॉलीसिटर जनरल ने कहा कि मैंने जाति के आधार पर भेदभाव के संबंध में नहीं सुनाई। विचाराधीन कैदियों और दोषियों को ही अलग किया जाता है। इस मामले में उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के अलावा मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, ओडिशा, झारखंड, केरल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्य शामिल हैं।

कासिम सुलेमानी की ...

के बाद मची भगदड़ में कई लोग घायल हो गए, क्योंकि लाइव प्रसारण में हजारों शोक संतप्त लोगों को बरसी में भाग लेते दिखाया गया। कब्रिस्तान की ओर जाने वाली सड़क पर कई गैस कनस्तरों में विस्फोट हुआ। जबकि ईरानी राज्य मीडिया ने एक स्थानीय अधिकारी के हवाले से कहा कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट गैस सिलेंडर के कारण हुए थे या आतंकवादी हमले के कारण हुए थे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रांत करमान में 15 मिनट के भीतर विस्फोटों की आवाज सुनी गई। राज्य संचालित इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी ने प्रांत के डिप्टी गवर्नर के हवाले से कहा कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट गैस विस्फोट के कारण हुए थे या आतंकवादी हमले के कारण हुए थे।

वित्तीय धोखाधड़ी होने ...

पर शिकायत होना बेहद जरूरी है। राजेश कुमार ने कहा कि 1930 पर हर दिन 50 हजार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इन शिकायतों के समाधान के लिए हमारे विशेषज्ञ संबंधित विभागों व बैंकों से बात कर पैसा वापस करवाने का काम करते हैं। 1930 पर मिली शिकायतों के आधार पर 1127 करोड़ रुपए को फ्रीज किया गया है। इस फ्रीज पैसे को संबंधित व्यक्ति को पहुंचाने के लिए आई4सी की ओर से पहल की जाती है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध रोकने के लिए आई4सी के माध्यम से 2,95,461 सिम कार्ड ब्लॉक किए गए हैं। धोखाधड़ी करने वाली 2810 वेबसाइट और 585 मोबाइल ऐप सहित 46,229 आईएमईआई को चिह्नित कर प्रतिबंधित किए गए हैं। साइबर अपराध के जो भी हॉटस्पॉट हैं आई4सी की टीम उसे चिह्नित कर संबंधित राज्यों के साथ समन्वय कर कार्रवाई करती है। साथ ही साइबर अपराध के तौर-तरीकों का अध्ययन कर राज्यों से साझा करती है।

श्रमजीवी विस्फोट कांड ...

एक्सप्रेस ट्रेन में बम विस्फोट के मामले में सजा सुनाए जाने के लिए दोषी करार दिए गए आतंकी बांग्लादेश निवासी हिलालुद्दीन उर्फ हिलाल व बंगाल निवासी नफीकुल विश्वास को कड़ी सुरक्षा में दोपहर बाद तीन बजकर 15 मिनट पर पेश किया गया। इसके बाद सुनवाई की प्रक्रिया शुरू हुई। 4 बजकर 15 मिनट पर न्यायाधीश ने दोनों को मृत्युदंड व जुर्माना का फैसला सुनाया। इस दौरान कोर्ट में दोषियों के अधिवक्ता न्याय मित्र ताजुल हसन तथा अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता एडीजीसी वीरेंद्र मौर्य मौजूद रहे। इसके पूर्व मंगलवार को सजा के बिंदु पर हुई बहस में अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता एडीजीसी वीरेंद्र मौर्य ने अपना पक्ष रखते हुए विस्फोट की घटना को विरल से विरलतम बताया था। उन्होंने दिल्ली राज्य बनाम नवजोत संधू 2005 सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला दिया। उन्होंने कहा था कि इसमें संसद भवन पर आतंकियों द्वारा किए गए हमले में नौ लोग आतंकियों की गोली से मारे गए थे और 16 व्यक्ति घायल हुए थे, जबकि श्रमजीवी विस्फोट कांड में हुए बम विस्फोट में 14 लोग मारे गए व 62 लोग घायल हुए। हिलाल ने बांग्लादेशी आतंकी रोनी के साथ श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन में बम रखा था। रोनी को मृत्युदंड की सजा सुनाई जा चुकी है। इसके साथ ही आतंकी ओबैदुर्रहमान का विचारण इन दोनों दोषियों के साथ चला था। उसे भी मृत्युदंड की सजा सुनाई जा चुकी है। ऐसे में इन दोनों को भी मृत्युदंड की सजा होनी चाहिए। फांसी के अलावा अन्य कोई सजा ऐसे दोषियों के लिए कम है।

लक्षद्वीप का क्षेत्र...

प्राथमिकता बनाया है। ब्लू इकोनॉमी पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत विश्व सीफूड मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर फोकस कर रहा है और इससे लक्षद्वीप को काफी फायदा हो रहा है। आज लक्षद्वीप की टूना मछली जापान को निर्यात की जा रही है और कल्याण मछुआरों की सुरक्षा पूरी तरह से सुनिश्चित की जा रही है। गौरतलब है कि लक्षद्वीप में समुद्री शैवाल की खेती से जुड़ी संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार लक्षद्वीप के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा कि कि हमारी सरकार लक्षद्वीप के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है; यहां मौजूद सौर ऊर्जा संयंत्र, जो बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) पर आधारित है, एक ऐसा उदाहरण है। विशेष रूप से, यह लक्षद्वीप की पहली बैटरी-समर्थित सौर परियोजना है। यह परियोजना से प्रदूषण कम होगा और राज्य के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर कम प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कावारत्ती में 1,156 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप में भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से भी बातचीत की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि कि लक्षद्वीप में भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत करना खुशी की बात थी। महिलाओं के एक समूह ने इस बारे में बात की कि कैसे उनके स्वयं सहायता समूह ने एक रेस्तरां शुरू करने की दिशा में काम किया, जिससे वे आत्मनिर्भर बनीं; एक बुजुर्ग व्यक्ति ने साझा किया कि कैसे आयुष्मान भारत ने हृदय रोग के इलाज में मदद की, और एक महिला किसान का जीवन पीएम-किसान के कारण बदल गया। अन्य लोगों ने मुफ्त राशन, दिव्यांगों के लिए लाभ, पीएम-आवास, किसान क्रेडिट कार्ड, उज्ज्वला योजना और बहुत कुछ के बारे में बात की। विकास के फल को लक्ष्य तक पहुंचते देखना वास्तव में संतोषजनक है।

देश के 11 ...

को इसके तेजी से वैश्विक प्रसार के बाद इसे निगरानी में रखे जाने वाले स्वरूप के रूप में वर्गीकृत किया है लेकिन साथ ही सीमित उपलब्ध साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए जेएन.1 द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को वर्तमान में वैश्विक स्तर पर कम आंका है। यह वेरियंट ऑफ इंटरेस्ट है।

गुणोत्सव के दौरान मूल्यांकनकर्ताओं के लिए केवल शाकाहारी भोजन का निर्देश

गुवाहाटी। असम सरकार के शिक्षा विभाग ने स्कूलों में छात्रों के लिए राज्यव्यापी मूल्यांकन अभियान में शामिल होने वाले मूल्यांकनकर्ताओं को केवल साधारण शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। सरकार द्वारा *गुणोत्सव* नाम से मूल्यांकन अभियान राज्य भर के 43,000 से अधिक स्कूलों में चलाया जाएगा। अभ्यास में करीब 40 लाख छात्र हिस्सा लेंगे। मूल्यांकन अभियान में पूरे असम में कुल 18,098 बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं को तैनात किया जाएगा। इस बीच, राज्य शिक्षा विभाग के एक पत्र में उल्लेख किया गया है कि किसी भी स्कूल को बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं को साधारण शाकाहारी भोजन के अलावा अन्य भोजन परोसने की अनुमति नहीं दी जाएगी। असम में समग्र शिक्षा के मिशन निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र में कहा गया है कि स्कूलों को मूल्यांकन के दिन बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं के लिए साधारण शाकाहारी भोजन की व्यवस्था करने का निर्देश दिया जाता है। इसके अलावा, यह भी कहा गया है कि स्कूलों को निर्देश दिया जाता है कि वे बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं के लिए किसी भी तरह के सत्कार की व्यवस्था न करें। इस बीच, असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने मंगलवार को कहा कि मूल्यांकन अभियान से राज्य में सीखने के परिणामों में सुधार के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के 35 जिलों में, 43,498 सरकारी स्कूल यह अभ्यास करेंगे, जिसमें 39,63,542 छात्र शामिल होंगे। मंत्री ने कहा कि गुणोत्सव में शिक्षकों, शिक्षार्थियों, प्रशासकों और स्थानीय समुदायों सहित सभी हितधारकों की भागीदारी देखी जाएगी, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए उनके बीच जवाबदेही मजबूत होगी। इस वर्ष अभ्यास तीन चरणों में होगा - 12 जिले 3-6 जनवरी तक पहले दौर में प्रतिस्पर्धा करेंगे, 13 जिले 9-12 जनवरी तक दूसरे दौर में प्रतिस्पर्धा करेंगे, और अंतिम 10 जिले फरवरी से तीसरे और अंतिम चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसके लिए पूरे असम में कुल 18,098 बाहरी मूल्यांकनकर्ता तैनात रहेंगे। बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में स्कूलों का दौरा करने वाले लोगों में मुख्यमंत्री, विधायक, मुख्य सचिव समेत अन्य लोग शामिल हैं।

सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना में बड़ी सफलता

गुवाहाटी (हिंस)। एक प्रमुख कामयाबी में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिला स्थित सेवक-रंगपो रेल परियोजना (एसआरआरपी) के टनल संख्या टी-04 के पोर्टल संख्या 1 पर अडिट को 30 दिसंबर, 2023 को ब्रेक थ्रू मिला। इसके साथ ही, तीन जनवरी को इस परियोजना के टनेल संख्या 13 में भी ब्रेक थ्रू हासिल किया गया। इन टनलों की सफलता के साथ, इस परियोजना के सभी अडिट टनलों में खनन कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया है कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में हनुमान झोरा के पास स्थित 600 मीटर की एक निकासी टनल के साथ मुख्य टनल टी-04 की लंबाई 3948 मीटर है। साथ ही, टी-13 की लंबाई 2560 मीटर है, जो परियोजना के पश्चिम बंगाल हिस्से का अंतिम टनल है और कलिम्पोंग जिले में स्थित है। मुख्य टनल युवा हिमालय के अतिसंवेदनशील एवं चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय और भूकंपीय स्थितियों से होकर गुजरती है। एसआरआरपी में अन्य सभी टनलों की तरह, भू-द्रव्यमान की भेद्यता का मुकाबला करने के लिए, नवीनतम और सबसे परिष्कृत टनलिंग तकनीक यानी न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग यहां किया गया है। सेवक (पश्चिम बंगाल) और रंगपो (सिक्किम) को जोड़ने वाली सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना लगभग 45 किलोमीटर लंबी है और इसमें 14 टनल, 17 पुल और 5 स्टेशन शामिल हैं। सबसे लंबी टनल (टी -10) की लंबाई 5.3 किमी और सबसे लंबे पुल (ब्रिज -17) की लंबाई 425 मीटर है। पूरी परियोजना संरेखण का लगभग 38.6 किलोमीटर टनल से गुजर रहा है और 90 फीसदी टनलिंग कार्य पूरा हो चुका है। वर्तमान में टनल टी-14 में अंतिम लाइनिंग पूरी हो चुकी है और टनेल टी -02, टी -05, टी-06, टी -09, टी -10, टी -11 और टी -12 प्रगति पर है। अब तक कुल 8.67 किमी (कुल 22.45 फीसदी) लाइनिंग का कार्य पूरा हो चुका है। सभी सेक्शनों में दिन-रात कार्य किया जा रहा है। यह भारत में चल रही प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परियोजनाओं में से एक है और इस परियोजना के पूरा होने पर, पहली बार सिक्किम राज्य रेलवे से जुड़ जाएगा। इस रेल नेटवर्क को पूरा करने का उद्देश्य सिक्किम राज्य को वैकल्पिक कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

धुबड़ी (हिंस)। जिले के बिलासीपाड़ा लक्ष्मीगंज के भशानीगांव में भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह भीषण सड़क हादसा उस समय हुआ जब एक बाइक (एएस-16जी- 8189) और साइकिल के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल साइकिल सवार ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। लोगों का आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के कारण साइकिल सवार की मौत हो गई। गुस्साई भीड़ ने अस्पताल को घेर लिया और विरोध प्रदर्शन किया। मृतक बाइक सवार की पहचान फकीराग्राम करेटोला गांव के अजीजुल हक के रूप में हुई है।

बाघमारा चर बाजार प्रबंध समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

नगरबेड़ा (विभास)। दक्षिण बरपेटा के बाघवर निर्वाचन क्षेत्र के सबसे बड़े बाजारों में से एक बाघमारा चर बाजार की प्रबंधन समिति द्वारा 31 दिसंबर को अपना वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के बाद 13 सदस्यीय जूरी समिति द्वारा एक पूर्ण नई समिति का गठन किया गया। बाजार प्रबंध समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष शुकुर अली की अध्यक्षता में आज शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। नवनिर्वाचित समिति को सेवानिवृत्त शिक्षक तैय्यब अली शेख ने पद की शपथ दिलाई। लगातार तीन बार अध्यक्ष शुकुर अली और सचिव के रूप में शहनाज जामान की पूर्ण नई समिति के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित आमंत्रित अतिथियों को एक-एक फूल गमोसा देकर सम्मानित किया गया। नवगठित बाजार शासी निकाय के अध्यक्ष शुकुर अली, उपाध्यक्ष अब्दुर रहीम, सचिव शहनाज जामान, सहायक सचिव अब्बास अली अहमद सहित कुल 23 सदस्यों ने औपचारिक रूप से शपथ ली और आज कार्यभार संभाला। शपथ ग्रहण समारोह में बाघमारा चर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल तैजुद्दीन सरकार और क्षेत्र के विभिन्न गणमान्य लोग शामिल हुए। सचिव शहनाज जामान द्वारा परिचालित बैठक में सभा के प्रधान शुकुर अली के भाषण के अंत में अल्पाहार बांटकर बैठक का समापन किया गया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गोलकगंज में हुई एक सड़क हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार कै बताया कि हालाकूड़ा पुलिस चौकी इलाके में बीती रात हुई सड़क हादसे में बाइक चालक आशिफ अली की मौके पर ही मौत हो गई। जेसीबी (एएस-17एन-2158) द्वारा ठोकर मार जाने की वजह से आसिफ की मौत हो गई। मृतक विद्या डाउरी पंचम खंड गांव का रहने वाला था। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं पुलिस दुर्घटना में शामिल जेसीबी को जब्त कर लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कछार में 600 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस द्वारा 600 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया के जरिए इस बरामदगी के लिए पुलिस को बधाई दी है। कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महत्ता ने बताया कि एक विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने एमआई, कोलकाता के साथ सिलचर के सिलडूबी क्षेत्र में मादक पदार्थों के परिवहन के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया। अभियान में एमजेड-05ए-8291 वाले एक इंट्रा वाहन को रोका और विशेष रूप से बनाए गए गुप्त कक्षों से लगभग 600 ग्राम हेरोइन से भरे तीस साबुनदानी बरामद किए। हेरोइन के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान लाललुंगसांग (43) तथा पजोना (37) के रूप में हुई है। दोनों, मिजोरम के कोलाशिब जिले के बिलकातिर के रहने वाले हैं। जब्त किए गए नशीले पदार्थ की कीमत लगभग तीन करोड़ रुपए बताया गया है। हेरोइन की खेप मिजोरम के चंपाई जिले से अवैध रूप से ले जाई जा रही थी। मामले में आगे की जांच शुरू की गई है।

24000 से अधिक विकलांग के लिए रोजगार के अवसर पैदा
एक्सिस बैंक फाउंडेशन का यूथ 4 जॉब्स के साथ एक दशक पूरा

गुवाहाटी (विभास)। एक्सिस बैंक फाउंडेशन (एबीएफ) ने देश के अर्ध-शहरी और ग्रामीण इलाकों में विकलांग युवाओं को सशक्त बनाने उन्हें वहनीय आजीविका के अवसर हासिल करने में मदद करने के लिए प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में समर्पित प्रयास का एक दशक पूरा किया। यूथ 4 जॉब्स के सहयोग से ए बी एफ ने 24000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया, जो मूक-बधिर थे, चलने-फिरने की विकलांगता और दृष्टि बाधा जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे थे। इस कार्यक्रम और साझेदारी के जरिए एबीएफ और वाई एफ जे ने 60 प्रतिशत की उल्लेखनीय प्लेसमेंट दर हासिल की है। यह गठजोड़ वहनीय आजीविका कार्यक्रम को रेखांकित करता है, जो एक व्यापक कौशल विकास परितंत्र के जरिए रोजगार के अवसरों को आगे बढ़ाने में युवाओं की मदद करता है। इस साझेदारी के तहत एक कार्यक्रम-वाइज (वर्क इंटीग्रेटेड सॉफ्ट स्किल्स एंड इंग्लिश) विकसित किया गया, जो विकलांग युवाओं को कौशल, आत्मविश्वास और संगठित क्षेत्र में नौकरियां पाने की क्षमता हासिल के लिए तैयार करता है। वाइज कार्यक्रम इन युवाओं के लिए खुदरा, ई-कॉमर्स, आईटी, आतिथ्य और अन्य सेवा उद्योग जैसे मुख्यधारा के क्षेत्रों में पहुंच हासिल करने के लिए प्रवेश द्वार है। यह कार्यक्रम, व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करने और प्लेसमेंट के उचित अवसरों की पहचान करने के अलावा, कार्यशालाओं के जरिए नियोक्ताओं को संवेदनशील बनाकर काम के समावेशी वातावरण को भी बढ़ावा देता है। इस परिवर्तनकारी यात्रा पर अपनी टिप्पणी में, एक्सिस बैंक फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी, ध्रुवी शाह ने कहा कि यूथ 4 जॉब्स फाउंडेशन के साथ दशक भर लंबी साझेदारी के तहत हम समावेशिता में एक साझा विश्वास से प्रेरित रहे हैं। हमने साथ मिलकर विकलांग व्यक्तियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित करने और कौशल तथा आत्मविश्वास से लैस करने के लिए अपनी सामूहिक ताकत का उपयोग किया ताकि उनकी स्थिति में बदलाव तथा काम के माहौल के अनुभव को बेहतर जा सके और इसे अधिक समावेशी बनाया जा सके। सफलता की हर कहानी, हर व्यक्ति जिसे हमने सशक्त बनाया है, हमारी प्रतिबद्धता और भविष्य की असीम संभावनाओं को रेखांकित करता है। एबीएफ और वाई 4 जे एफ नई ऊंचाइयों को छूने, अपनी पहुंच का विस्तार करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि विकलांग युवा अधिकार पूर्वक भारत के कार्यबल जुड़े।

इटानगर क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की किल्लत नहीं : पोटोम

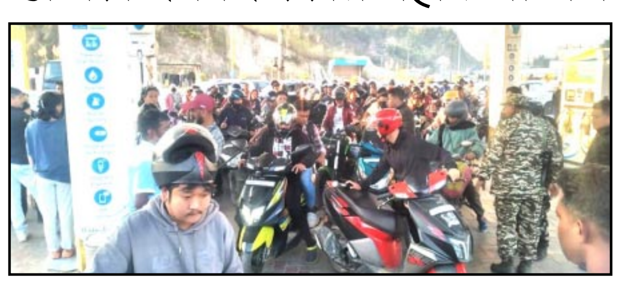

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर के उपायुक्त तालो पोटोम ने जनता से आग्रह किया कि वे घबराएं नहीं। राजधानी क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की कोई किल्लत नहीं है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पोटोम ने कहा कि राजधानी में ईंधन संकट का कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि ईंधन लेकर टैंकर राजधानी क्षेत्र के पेट्रोल पंप के विभिन्न स्थानों पर पहुंच चुके है, देश में ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल के कारण इसमें थोड़ी देरी हुई और कमी थी लेकिन अब समस्या का समाधान हो गया है। तेल टैंकरों से तेल उतारना शुरू कर दिया गया है और प्रशासन तथा पुलिस कर्मी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। हालांकि, देखा गया कि इटानगर के अधिकतम पेट्रोल पंप बंद थे। जबकि, चिंपू पेट्रोल पंप पर पेट्रोल मिल रहा था जिसमें वाहनों की लम्बी लाईने लगी हुई थी। सूत्रों के अनुसार अखिल भारतीय ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल की खबर मिलने के बाद लोग बीती रात से ही पेट्रोल पंपों की ओर अपने वाहनो में तेल भराने के लिए जाने लगे थे।

विश्वनाथ : श्री राम चंद्र के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण को लेकर चलाए रहा अभियान

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ में विश्व हिंदू परिषद व राष्ट्रीय स्वयंसेवक के तत्वावधान में कल सर्वप्रथम प्रशासनिक अधिकारी, विधायक के घर जाकर अयोध्या श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से आए 22 जनवरी को भगवान श्री राम चंद्र के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण देते हुए जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम शुरू किया । इस जनसंपर्क कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद उत्तर पूर्व क्षेत्रीय मातृशक्ति संयोजिका श्री मति बकुल रॉय,विश्वनाथ हिंदू परिषद विश्वनाथ जिला, मंडल और विश्वनाथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक के पदाधिकारी उपस्थित थे। बिश्वनाथ जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव, बिश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक प्रमोद बरठाकुर बिश्वनाथ चारियाली नगर पालिका के मेयर और बिश्वनाथ जिला पुलिस अधीक्षक को राम मंदिर की तस्वीरें,

अक्षत और पत्र भी भेंट किए। साथ श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूरे विश्वनाथ जिले के मठ -मंदिर में पूजा-पाठ, भजन- कीर्तन तथा संध्या में दीपावली मनाने का कार्यक्रम रखा गया है।

आत्मा से प्यार करो और उसे पाने की सोचो : आचार्य श्री प्रमुख सागर

गुवाहाटी। फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में विराजित आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने एक धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप कहा रहते हो, जो अध्यात्म योग्य होगा, वह तो यही कहेगा हम आत्मा में रहते हैं और जो मिथ्या- दृष्टि होगा और जो बाहर की यात्रा में लगा है वह कहेगा हम शरीर में रहते हैं और थोड़ा घर से बाहर निकला तो किसी ने पूछा तो वह कहेगा घर में, मोहल्ले में, कॉलोनी में, गली- बिल्डिंग, शहर, देश, में रहते हैं। आपने कहा कि जो एक है वह शुद्ध है,जहां दो का समावेश हुआ वहां मिलावट का कार्य प्रारंभ हो जाता है। इसीलिए अकेली आत्मा से ही प्यार करो क्योंकि वह ही जन्मों- जन्मों तक तुम्हारे साथ रहेगी। आपने कहा कि कुछ सहयोग संबंध ऐसे हैं, जो शरीर और आत्मा को भी तपस्या से अलग कर सकते हैं और कुछ आत्मीय संबंध ऐसे हैं जो ज्ञान दर्शन और जीव का संबंध उसे हम अलग नहीं कर सकते। जो अलग कर सकते हैं उसे अलग करो और आत्मा से प्यार करो उसे पाने की सोचो उसके लिए ही जियो तभी आत्म कल्याण होगा। यह जानकारी प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी द्वारा दी गई है।

मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने *स्टार उपबन* परियोजना का किया उद्घाटन
असम बधिर एसोसिएशन की 25 युवतियों के लिए *प्रोजेक्ट तेजस्विनी* को भी स्टार सीमेंट चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया लांच

गुवाहाटी (विभास)। दिसपुर स्थित नेडफी के सभागार में आज *स्टार उपबन* परियोजना के उद्घाटन कार्यक्रम के तहत स्टार सीमेंट लिमिटेड, डिमोरिया कॉलेज और डैफोडिल कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना के तहत, नर्सरी क्षेत्र में कौशल विकास के माध्यम से उत्साही युवाओं को अपनी आजीविका कमाने के लिए वातावरण बनाने के लिए एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सरकार के पर्यावरण और वन, एक्ट ईस्ट नीति मामले, अल्पसंख्यक कल्याण मामलों के मंत्री चंद्र मोहन पटोवारी, स्टार सीमेंट लि. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनीत कुमार तिवारी, स्टार सीमेंट लि. के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रदीप पुरोहित, मुख्य विनिर्माण अधिकारी सुंदरम श्रीनिवासन सहित कई अन्य विशिष्ट व्यक्तिगगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्टार सीमेंट के अधिकारी, लक्षित लाभार्थी, कल्याण और विकास समिति, सोनपुर साहित्य सभा, नागरिक मंच, स्थानीय समुदाय, युवा संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री श्री पटवारी ने कौशल निर्माण और आजीविका कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए असम बधिर एसोसिएशन की 25 युवतियों के साथ *प्रोजेक्ट तेजस्विनी* भी लांच किया, जिसके तहत वे विभिन्न जनजातियों और समुदायों के पारंपरिक कपड़े

तैयार करेंगी। कार्यक्रम का नेतृत्व स्टार सीमेंट के सहयोग से भारतीय बधिर संघ-असम चैप्टर के अध्यक्ष मुकुल दत्ता करेंगे। इस अवसर पर स्टार सीमेंट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनीत कुमार तिवारी ने कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था में रोजगार पैदा करने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं। कौशल अंतर को पाटना और न केवल शहरी क्षेत्रों में, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी उद्यमिता की भावना का समर्थन करना बहुत महत्वपूर्ण है। स्टार सीमेंट में, हमारा दृष्टिकोण उन समुदायों के सामाजिक और आर्थिक विकास में सक्रिय रूप से योगदान करना है, जिसमें हम काम करते हैं। परियोजना *स्टार उपबन* के माध्यम से हमारा प्रयास वंचितों पर पड़े गरीबी के बोझ को उठाना और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। ऐसा करते हुए, समाज के कमजोर और हाशिए पर मौजूद वर्गों के लिए बेहतर, टिकाऊ जीवन शैली का निर्माण करना है। हमारा सीएसआर उद्देश्य दीर्घकालिक, परिवर्तनकारी समाधान पेश करना है, जो इन समुदायों को बदलते समय के बीच आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है। स्टार सीमेंट लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रदीप पुरोहित ने कहा कि *स्टार उपबन* परियोजना के माध्यम से हमारा लक्ष्य युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें नौकरियों और उद्यमशीलता के अवसरों दोनों के लिए तैयार करना है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति संभव हो सके। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत लगभग 50 युवाओं को शामिल किया जाएगा, जहां युवाओं को एक महीने के लिए डैफोडिल कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर और डिमोरिया कॉलेज के माध्यम से नर्सरी विकास पर प्रशिक्षित किया जाएगा और प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, इच्छुक युवाओं को नर्सरी विकास के लिए आवश्यक सभी उपकरण नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे। लक्षित लाभार्थियों को भूमि की तैयारी, नर्सरी विकास पर एक महीने का प्रशिक्षण, नर्सरी विकास के लिए आवश्यक सामग्री आदि सहित एक वर्ष के लिए नि:शुल्क सहायता प्रदान की जाएगी। लागत सीएसआर पहल के तहत स्टार सीमेंट द्वारा वहन की जाएगी और तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन डैफोडिल नर्सरी और डिमोरिया कॉलेज द्वारा प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में स्टार सीमेंट के मुख्य विनिर्माण अधिकारी सुंदरम श्रीनिवासन ने कहा कि उन समुदायों की मदद करना हमारी खुशी है जिनमें हम सेवा करते हैं और ताकत साझा करने के अपने उद्देश्य को जीते हैं। चाहे वह लोगों के लिए बुनियादी ढांचा समर्थन या कौशल केंद्र प्रदान करने के रूप में हो, स्टार सीमेंट उन समुदायों और गांवों के उत्थान के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, जहां यह सेवा प्रदान करता है। स्टार सीमेंट लिमिटेड उत्तर-पूर्वी भारत की अग्रणी सीमेंट कंपनी है और पश्चिम बंगाल और बिहार में सबसे तेजी से बढ़ते सीमेंट ब्रांडों में से एक है, जो भारतीय निर्माण उद्योग में मजबूत पकड़ बना रही है। स्टार सीमेंट लिमिटेड ने उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट और उचित मूल्य निर्धारण के लिए खुद को इस क्षेत्र में सबसे मान्यता प्राप्त ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। क्षमता के संदर्भ में, स्टार सीमेंट की वर्तमान में कुल स्थापित क्षमता 5.7 एमटीपीए है। गुवाहाटी ग्राइंडिंग इकाई के विस्तार के साथ, क्षमता बढ़कर 7.7 एमटीपीए हो जाएगी और वित्त वर्ष 25 में हमारे सिलचर संयंत्र के साथ कुल क्षमता 9.7 एमटीपीए हो जाएगी।

संपादकीया

'कर्जदार' है नया साल

नए साल की शुभकामनाएं और समारोह एक घिसी-पिटी रवायत है, क्योंकि कुछ भी बदलने के आसार गायब रहते हैं। तनाव, उदासियों, नाकामियों, युद्ध जैसी विभीषिकाओं, संहार, सत्ताओं के लालच और स्वार्थ के माहौल में आम आदमी का कुछ भी संवरता हुआ दिखाई नहीं देता। एहसास तक नहीं होता। बस अस्तित्व जिंदा है, यही गनीमत है और नियति की मेहरबानी भी है। यह यथार्थ तब महसूस होता है, जब आम आदमी होश में होता है, अलबत्ता बाजार की ताकतों ने नए साल के रूप में उसे भ्रमित कर रखा है। आम आदमी इन्हीं संभावनाओं में बेहोश रहता है कि नया साल आया है, तो उसकी जिंदगी भी 'नई' होगी! बसंत की बहारें आएंगी और नया सफर सुखद होगा! हम नैराश्य और नकार की अवस्था में नहीं हैं। नए साल की नई हवाएं और शुभकामनाएं हम भी महसूस कर रहे हैं, लेकिन देश एक भारी कर्ज में जी रहा है, लिहाजा हम भी कर्जदार हैं। हम हैं, तो यह देश है। बेशक हम विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन हकीकत हमारी 140 करोड़ से अधिक आबादी के इर्द-गिर्द है। आर्थिक सच यह है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय 1,72,276 रुपए के करीब है और 5वीं अर्थव्यवस्था वाला देश, इस संदर्भ में, विश्व में 141वें स्थान पर है। इतना व्यापक विरोधाभास क्यों है? यदि देश की आर्थिक विकास दर लगातार 8 फीसदी या उससे अधिक बरकरार रहती, तो हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था कभी के बन चुके होते। आर्थिक विषमता का यथार्थ यह है कि 10 लाख रुपए से महंगी कारें खरीदने वालों की संख्या बढ़ रही है और आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें यह सुनिश्चित नहीं है कि नए साल में उनकी आमदनी बढ़ेगी अथवा घटेगी। आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले का अध्ययन आज भी कचोटता है कि 23.5 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो 375 रुपए रोजाना कमाने में भी अक्षम हैं। सबसे भयावह यथार्थ तो यह है कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के स्वप्न देख रहा है, सत्ताएं डींगें हांक रही हैं और करीब 81 करोड़ लोगों को 'मुफ्त अनाज' बांटना पड़ रहा है। इस जमात में भी नए साल के आकर्षण और बधाइयां बांटी जा रही हैं। ऐसे नववर्ष के उल्लास मनाने के मायने क्या हैं? नए साल के सूर्योदय से पहले एक सर्वे सामने आया है, जिसके मुताबिक 600 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी कर्ज भारत पर है। औसतन प्रत्येक भारतीय पर 1.40 लाख रुपए का कर्ज है। जो आय है और जो कर्ज है, उसमें औसत भारतीय जीवन चलाए या नया साल गदगद होकर मनाए। उसी सर्वे के कारण ही तमाम आर्थिक संदर्भ उभर कर सामने आए हैं। न जाने क्यों आर्थिक ताकत और विश्व गुरु बनने के जुमले उछाले जा रहे हैं? सर्वे का निष्कर्ष यह है कि एक बार फिर आम चुनाव से पहले राष्ट्रवाद, अनुच्छेद 370, समान नागरिक संहिता और हिंदुत्व आदि की झलक दीखने लगी है। ये गूंजें सुनाई देने लगी हैं, क्योंकि व्यक्तिगत आर्थिक संकुचन के बावजूद 5वीं अर्थव्यवस्था, भारत वैश्विक ताकत के तौर पर और भारत सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं को 50 फीसदी से अधिक देश 'अहम उपलब्धियां' आंक रहा है। इन योजनाओं में पक्का घर, मुफ्त गैस सिलेंडर, नल में मुफ्त जल, मुफ्त शौचालय, मुद्रा ऋण आदि योजनाएं शामिल हैं। बेशक करोड़ों को इन योजनाओं से फायदा हो रहा है, लेकिन सवाल है कि यदि हम 5 ट्रिलियन डॉलर के करीब की अर्थव्यवस्था हैं, तो यह दरिद्र-सी स्थितियां क्यों हैं? भारत में सामाजिक सुरक्षा के नाम पर 'बीपीएल' होना बहुत लाभदायक स्थिति है। काम करने की जरूरत ही नहीं है। बेरोजगारी भी कई सवाल खड़े करती है।

नए साल की नई हवाएं और शुभकामनाएं हम भी महसूस कर रहे हैं, लेकिन देश एक भारी कर्ज में जी रहा है, लिहाजा हम भी कर्जदार हैं। हम हैं, तो यह देश है। बेशक हम विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन हकीकत हमारी 140 करोड़ से अधिक आबादी के इर्द-गिर्द है। आर्थिक सच यह है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय 1,72,276 रुपए के करीब है और 5वीं अर्थव्यवस्था वाला देश, इस संदर्भ में, विश्व में 141वें स्थान पर है। इतना व्यापक विरोधाभास क्यों है? यदि देश की आर्थिक विकास दर लगातार 8 फीसदी या उससे अधिक बरकरार रहती, तो हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था कभी के बन चुके होते। आर्थिक विषमता का यथार्थ यह है कि 10 लाख रुपए से महंगी कारें खरीदने वालों की संख्या बढ़ रही है और आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें यह सुनिश्चित नहीं है कि नए साल में उनकी आमदनी बढ़ेगी अथवा घटेगी। आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले का अध्ययन आज भी कचोटता है कि 23 .5 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो 375 रुपए रोजाना कमाने में भी अक्षम हैं। सबसे भयावह यथार्थ तो यह है कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के स्वप्न देख रहा है, सत्ताएं डींगें हांक रही हैं और करीब 81 करोड़ लोगों को 'मुफ्त अनाज' बांटना पड़ रहा है। इस जमात में भी नए साल के आकर्षण और बधाइयां बांटी जा रही हैं। ऐसे नववर्ष के उल्लास मनाने के मायने क्या हैं? नए साल के सूर्योदय से पहले एक सर्वे सामने आया है, जिसके मुताबिक 600 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी कर्ज भारत पर है। औसतन प्रत्येक भारतीय पर 1 .40 लाख रुपए का कर्ज है। जो आय है और जो कर्ज है, उसमें औसत भारतीय जीवन चलाए या नया साल गदगद होकर मनाए।

दुनिया में मानव जनित ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए बेहतर संभावनाएं होंगी

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने की न छूटे आशा

डा. अश्विनी महाजन

चौदह दिसंबर 2023 को दुबई में युनाईटेड नेशन फ्रेमवर्क कान्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज के तहत कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज का 28वां सत्र सम्पन्न हुआ, जिसे कॉप-28 के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि कॉप-28 को नतीजों तक पहुंचने में तय सीमा से ज्यादा समय लगा, लेकिन विश्व में इस बाबत खुशी जताई जा रही है कि इस सम्मेलन के बाद दुनिया में मानव जनित ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए बेहतर संभावनाएं होंगी। हालांकि दो सप्ताह तक चलने वाले इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में घोषणाएं की गईं, लेकिन इस सम्मेलन के अंतिम समय में एक ऐसी महत्वपूर्ण घोषणा हुई है, जिससे पूरी दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग और मौसम परिवर्तन से राहत की एक बड़ी उम्मीद जगी है। तेल लॉबी की तीव्र पैरवी के बावजूद, 2050 तक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर सीमित करने के लिए सभी देश जीवाश्म ईंधन, कोयला और तेल एवं गैस दोनों से दूर जाने पर सहमत हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत होने वाले 27 कॉप सम्मेलन इससे पूर्व हो चुके थे, जिनमें कुछ बातें हुईं, कहीं-कहीं पर मौसम परिवर्तन और वैश्विक ऊष्णता को थामने के लिए कुछ प्रयास भी हुए, लेकिन विकसित देशों की यह जिद्द कि वे अपनी जीवन पद्धति बदलने के लिए तैयार नहीं हैं, ने इन प्रयासों के प्रभाव को कम किया। विकसित देशों का यह कहना है कि चाहे जो भी स्थिति हो, वे अपनी जीवन पद्धति को बदल नहीं सकते हैं। सच्चाई यह है कि औद्योगीकरण के समय से लेकर अब तक दुनिया में 23 समृद्ध औद्योगिक देश कुल ऐतिहासिक उत्सर्जन के 50 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं और बाकी 50 प्रतिशत के लिए 150 से अधिक देश जिम्मेदार हैं। लगभग एक शताब्दी में पेट्रोलियम तेल और गैस का उपयोग 82.34 गुना और कोयले का उपयोग 4.56 गुना बढ़ा है, लेकिन इसमें भी विकसित देशों का योगदान विकासशील देशों की तुलना में कहीं ज्यादा है। हम समझ सकते हैं कि विकसित देशों द्वारा जीवाश्म ईंधनों का उपयोग भी कहीं अधिक अनुपात में बढ़ा है। आधुनिकीकरण और विकास के नाम पर वाहनों के उपयोग में बेतहाशा वृद्धि हुई है। आर्थिक संवृद्धि के और जीडीपी में ग्रोथ के नाम पर औद्योगिक उत्पादन भी भारी मात्रा में बढ़ा है। आज लोग ज्यादा और ज्यादा चीजों का उपभोग करने लगे हैं, जो पूर्व की तुलना में कई सौ गुणा ज्यादा है। वाहनों, उद्योगों, कृषि आदि के परिचालन में पेट्रोलियम पदार्थों सरीखे जीवाश्म ईंधनों का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है और इस कारण ग्लोबल वार्मिंग भी बढ़ी है। पिछली एक शताब्दी में वाहनों, विद्युत उत्पादन, औद्योगिक कार्यों और कृषि समेत अनेकानेक गतिविधियों में जीवाश्म ईंधन यानी पेट्रोलियम पदार्थ, कोयला इत्यादि का उपयोग लगातार बढ़ता गया, जिसके चलते दुनिया में ग्रीन हाऊस गैसों जैसे कार्बनडाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, हाइड्रोफ्लूरोकार्बन, परफ्लूरोकार्बन व सल्फर हेक्साफ्लोराइड का उत्सर्जन भी बढ़ा। इससे विश्व ग्लोबल वार्मिंग और मौसम परिवर्तन जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। समुद्र स्तर बढने के कारण तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग अपने स्थान से विस्थापित हो रहे हैं, कहीं अल्प वृष्टि तो कहीं अति वृष्टि और तूफानों के कारण दुनिया विभिन्न प्रकार के संकटों का सामना कर रही है। कृषि उत्पादन पर भी संकट आ रहे हैं। कई स्थानों पर तापमान इतना अधिक बढ़ता जा रहा है कि लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है। मौसम परिवर्तन पर होने वाले संयुक्त राष्ट्र के तमाम कॉप सम्मेलनों में प्रारंभ से ही यह लक्ष्य रहा है कि दुनिया का तापमान 2050 तक औद्योगएमपीकरण से पूर्व की स्थिति की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा न बढने पाए। क्योटो सम्मेलन, जहां ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन की कमी के लक्ष्य निर्धारित किए गए थे, के बाद कॉप सम्मेलनों में बातें तो बहुत हुईं, लेकिन क्योटो सम्मेलन के बाद और कॉप-27 से पहले कोई विशेष प्रगति नहीं दिखाई दी। जीवाश्म ईंधन से कैसे मिलेगी मुक्ति : हालांकि कॉप-28 में इस बात पर सहमति बनी है कि जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा, लेकिन इसके लिए अत्यंत गंभीरता से विचार करना होगा कि यह कैसे किया जाएगा। कॉप-28 में अनेक प्रकार की शपथें ली गई, जिसमें अक्षय ऊर्जा में 3 गुणा वृद्धि, शीतलन से संबंधित ऊर्जा उपभोग में दुगुनी कार्यकुशलता आदि शामिल हैं। पिछले कॉप सम्मेलनों में इस बात पर बहस चलती रही कि जीवाश्म ईंधनों में से कोयले या पेट्रोलियम, किसके उपयोग को कम करना चाहिए। विकसित देशों का यह कहना था कि वे पेट्रोलियम के उपयोग को कम नहीं करेंगे, लेकिन वे साथ ही यह दबाव बना रहे थे कि भारत सरीखे देश कोयले के उपयोग को अवश्य बंद करें। इस बार फिर विकसित देश अंतिम दस्तावेज में शामिल होने में सफल रहे हैं, जब नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना करने को 'बेरोकटोक कोयला बिजली को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने' से जोड़ा गया। हालांकि यह बात मानी जा सकती है कि कोयले से ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन पेट्रोलियम पदार्थों के उत्सर्जन से ज्यादा होता है, लेकिन इस बहस में भारत का यह कहना था कि यदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को क्रमशः कम करना है तो इसमें कोयले और पेट्रोलियम पदार्थों में भेद नहीं होना चाहिए। गौरतलब है कि भारत के पास कोयले के बड़े भंडार हैं, इसलिए भारत के लिए जरूरी है कि फिलहाल वह कोयले का उपयोग कुछ समय तक करे और बाद में उसे क्रमशः घटाया जाए। कॉप-28 के इस फैसले से कि कोयले और पेट्रोलियम में भेद किए बिना सभी प्रकार के जीवाश्म ईंधन के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से कम किया जाना चाहिए, यह सुनिश्चित हो गया है कि इस संबंध में विकसित देशों की बहानेबाजी को कॉप-28 में कम मान्यता मिली। भारत के पास है ज्यादा समय : हालांकि कॉप-28 में ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग से संबंधित लक्ष्यों, खासतौर पर वैश्विक तापमान को औद्योगिकीकरण से पूर्व की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा नहीं बढने दिया जाएगा, की समय सीमा 2050 रखी गई है, लेकिन कॉप-26 में भारत ने अपने वचन में यह कहा था कि हम 2070 तक निवल शून्य (नेट जीरो) के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। इसलिए भारत के पास वैश्विक लक्ष्य की सीमा से दो दशक आगे का समय रहेगा। हालांकि कॉप-28 में हुई सहमति में चरणबद्ध तरीके से जीवाश्म ईंधनों को समाप्त करने की बात कही गई है, लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी कहा गया है कि इस लक्ष्य को न्यायोचित्त, व्यवस्थित और न्यायसंगत तरीके से प्राप्त किया जाएगा। इसका मतलब यह है कि अमीर मुल्कों को अपनी जीवन पद्धति को बदलते हुए जिम्मेवारीपूर्वक जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को कम करना होगा और भारत समेत विकासशील देशों को इस संबंध में ज्यादा समय मिलेगा। टिकाऊ उत्पादन ही नहीं, बल्कि टिकाऊ उपभोग भी : अभी तक मौसम परिवर्तन के संबंध में टिकाऊ उत्पादन पर ज्यादा जोर दिया जाता रहा है। लेकिन समझना होगा कि यदि इस पृथ्वी को वास्तव में बचाना है तो संयमित उपभोग से ही ऐसा संभव हो सकता है। अधिकाधिक उपभोग और इस कारण अधिकाधिक ईंधन का उपयोग और प्रकृति का अंधाधुंध शोषण, आज की वैश्विक ऊष्णता का प्रमुख कारण है। सभी देशों की सरकारों को उपभोग को संयमित करने हेतु प्रयास करने होंगे।

संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत होने वाले 27 कॉप सम्मेलन इससे पूर्व हो चुके थे, जिनमें कुछ बातें हुई, कहीं-कहीं पर मौसम परिवर्तन और वैश्विक ऊष्णता को थामने के लिए कुछ प्रयास भी हुए, लेकिन विकसित देशों की यह जिद्द कि वे अपनी जीवन पद्धति बदलने के लिए तैयार नहीं हैं, ने इन प्रयासों के प्रभाव को कम किया। विकसित देशों का यह कहना है कि चाहे जो भी स्थिति हो, वे अपनी जीवन पद्धति को बदल नहीं सकते हैं। सच्चाई यह है कि औद्योगीकरण के समय से लेकर अब तक दुनिया में 23 समृद्ध औद्योगिक देश कुल ऐतिहासिक उत्सर्जन के 50 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं और बाकी 50 प्रतिशत के लिए 150 से अधिक देश जिम्मेदार हैं।

दृष्टि कोण

प्लास्टिक से होने वाला नुकसान रोकना होगा

विज्ञान ने मनुष्य को कई चीजें प्रदान की हैं, जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि। प्लास्टिक का आविष्कार भी मनुष्य की सुविधा के लिए बेकलैंड ने 1907 में किया। 20वीं सदी में प्लास्टिक के आविष्कार को एक क्रांति की तरह देखा गया, क्योंकि प्लास्टिक ने मनुष्य के जीवन को कई तरह से प्रभावित किया। प्लास्टिक एक ग्रीक शब्द प्लास्टीकोस से बना है, जिसका सीधा तात्पर्य है ऐसा नमनीय पदार्थ जो किसी आकार में ढाला जा सके। 1970 के दशक में इसका उपयोग औद्योगिक तथा घरेलू क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से बढ़ा। वर्तमान समय में प्लास्टिक पैकेजिंग से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उपकरणों और हमारे दैनिक उपयोग की वस्तु बन गया है। प्लास्टिक मानव की दिनचर्या में इस प्रकार शामिल हो चुका है कि उसकी सुबह की शुरुआत ही प्लास्टिक के बने टूथब्रश से होती है। आदमी जिस बाल्टी में नहाता है, कपड़े धोता है, वह भी प्लास्टिक की बनी होती है। जब वह ऑफिस के लिए अपने खाने का डिब्बा लेकर निकलता है तो वह भी प्लास्टिक का बना होता है, पानी भी प्लास्टिक की बोतल में पीता है। कहने का अभिप्राय बस इतना है कि प्लास्टिक मानव जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। लेकिन प्लास्टिक मानव जीवन को जितनी सुविधा प्रदान करता है, उतनी ही बीमारियां भी फैलाता है। अगर हम गौर से देखें तो पाएंगे कि आधुनिक युग में प्लास्टिक मानव शत्रु के रूप में उभर कर सामने आया है और यह हमारे पर्यावरण और मानव सभ्यता के लिए दिन-प्रतिदिन खतरा बनता जा रहा है। प्लास्टिक ने समुद्र से लेकर दरिया तक, पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक हर जगह अपना विशाल साम्राज्य स्थापित कर लिया है। इस हिसाब से देखें तो हम पाएंगे कि प्लास्टिक ने मानवता का भला कम, नुकसान ज्यादा किया है। एक अनुमान के अनुसार भारत सालाना 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन करता है। पिछले पांच वर्षों में भारत में प्लास्टिक का उत्पादन चार गुना ज्यादा हो गया है। भारत में प्लास्टिक के कुल उत्पादन का 40 प्रतिशत हिस्सा लैंड फील्ड्स में डंप किया जाता है, जोकि नदियों को दूषित करता है। सडक़ों की नालियों में पानी को अवरुद्ध करता है जोकि बाद में डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया का कारण भी बनता है। अगर हम बात करें हिमाचल की तो पहाड़ों में जो जलाशय, बावडिय़ों का जल गंगाजल के समान शुद्ध माना जाता था, अब प्लास्टिक के कारण मनुष्य को कई गम्भीर बीमारियों जैसे कैंसर आदि का कारण बन रहा है। प्लास्टिक ने केवल मानवजाति को ही खतरे में नहीं डाला है अपितु ये हमारे आसपास के जानवरों के लिए भी खतरा बन चुका है। भारत में मुंबई, केरल और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के आसपास के महासागर दुनिया के सबसे प्रदूषित महासागरों में से हैं। सर्वे के अनुसार प्लास्टिक कचरा दुनिया भर में कम से कम 267 प्रजातियों को प्रभावित करता है जिसमें 86 फीसदी समुद्री कछुए की प्रजातियां, 44 फीसदी समुद्री पक्षी प्रजातियां और 43 प्रतिशत समुद्री स्तनपायी प्रजातियां शामिल हैं। प्लास्टिक किस तरह से जानवरों के लिए एक अभिशाप बन रहा है, इसका एक ताजा उदाहरण मेरे क्षेत्र ज्वालामुखी विधानसभा के लुथान में मिला जहां गौशाला में लोगों द्वारा छोड़ी गई सैकड़ों गायों की मौत हो चुकी है। इस बात की पुष्टि हुई है कि इन गायों ने प्लास्टिक खायी हुई थी। अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन वल्ड वाइड फंड द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में प्लास्टिक का प्रदूषण 2030 तक दोगुना हो जाएगा। साइंटिस्ट्स के अनुसार समुद्र में 1950 से लेकर 2016 तक जितना प्लास्टिक जमा हुआ है, उतना प्लास्टिक केवल अगले एक दशक में जमा हो जाएगा और महासागरों में प्लास्टिक कचरा 30 करोड़ टन तक पहुंच जाएगा।

कुछ अलग

थोड़ी-थोड़ी पिया करो...

ह्माचल सरकार अपने नए साल की शुरुआत में गोबर खऱीद योजना को लागू करने जा रही है। सोचता हूँ प्रदेश में जब पहले ही इतना गोबर फैला हुआ है तो सरकार नए खऱीदे गोबर को रखेगी कहाँ? इतनी तो खेती की ज़मीन नहीं, जितना गोबर है। अपने कार्यकाल में गोबर फैलाने वाली बीजे पार्टी आजकल विपक्ष में है। उसने सरकार के इस फैसले के विरोध में विधानसभा सत्र के दौरान सिर पर गोबर की टोकरियाँ रखकर प्रदर्शन किया था। मुझे उसके विरोध से कोई आपत्ति नहीं। बस ऐतराज़ तो इतना है कि गोबर से भरे दिमाग़ पर गोबर की टोकरी रखना गोबर से अन्याय है। चाहे उसे अपने अपमान की चिंता न हो, कम से कम अपने दिमाग़ में भरे गोबर का सम्मान तो करना ही चाहिए था। सुख वाली सरकार के मुख्यमंत्री ने नया ऐलान किया है कि शराब पीकर झूमने वाले पर्यटकों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाने पर उन्हें हवालात की सैर नहीं करवाई जाएगी। बल्कि उन्हें होटेल में छोडऩे के बाद ह्माचल पुलिस उन्हें आराम से सुला कर भी आएगी। ताकि उसके मन में यह मलाल न हो कि वे ह्माचल में एंजॉय करने आए थे। पर हवालात की सैर करनी पड़ रही है। अतिथि देवो भवः का इससे बढिय़ा उदाहरण क्या हो सकता है। सुनने में आया है कि इससे उत्साहित होकर पुलिस के एक आला अधिकारी ने पुलिस वालों को ऐसे टल्ली पर्यटकों से दो-चार होने पर उन्हें होटेल में छोडऩे ही नहीं, बल्कि उन्हें लोरी गाकर सुलाने के लिखित निर्देश जारी किए हैं। मुझे लगता है कि ह्माचल के मुख्यमंत्री चाहें तो महीने में एक बार रिज पर शराबियों के लिए ऐसी महफिल का बंदोबस्त कर सकते हैं, जिसमें वह स्वयं हारमोनियम पर चंदन दास द्वारा गाई गज़ल 'थोड़ी-थोड़ी पिया करो' या ग़ुलाम अली की गाई गज़ल 'हंगामा है क्यों बरपा थोड़ी सी जो पी ली है' को गाकर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा दे सकें। इस पुनीत कार्य के लिए सरकार अपने सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के कलाकारों की सेवाओं का सदुपयोग कर सकती है। ऐसा करते हुए मुख्यमंत्री उस पूर्व मुख्यमंत्री को पीछे छोड़ सकते हैं, जिन्होंने कोरोना काल में टूरिज़्म को बढ़ावा देने के लिए कोरोना के मरीज़ों को इलाज के लिए हिमाचल लाने की योजना आरम्भ करने की बात कही थी। मुख्यमंत्री से प्रेरणा प्राप्त करने के बाद ह्माचल पुलिस चाहे तो हिन्दी फिल्मों की बेहतरीन लोरियों, मसलन- 'चंदा मामा दूर के', 'चंदनिया लोरी लोरी', 'लल्ला-लल्ला लोरी, दूध की कटोरी' जैसी लोरियों को गाते हुए झूमने वाले हुल्लड़बाज़ों को सुला सकती है। ह्माचल पुलिस के पास देश का बेहतरीन ऑर्केस्ट्रा बैंड है। यह बैंड सारा साल रंगारंग कार्यक्रमों में भाग नहीं ले सकता। ऐसे में इस बैंड के सदस्य ऐसे प्रिय अतिथियों की आवभगत करते हुए उन्हें लोरी गाकर सुला सकते हैं। इसके अलावा इस सेवा को राजधानी ही नहीं, पूरे प्रदेश में कारगर ढंग से लागू करने के लिए पुलिस ऐसे होनेहारों को चयनित कर सकती है जो बाथरूम के बाहर गा सकते हों। ऑर्केस्ट्रा बैंड ऐसे चयनित होनहारों को संगीत सिखा सकता है। पूरी तरह प्रशिक्षित होने के बाद पुलिस के इन जाँबाज़ गवैयों को बार और ठेकों के बाहर तैनात किया जा सकता है। अक्सर बिना बात लोगों की डंडे से सेवा करने वाली पुलिस को माँ सरस्वती की सेवा करने का इससे बेहतर अवसर कहाँ नसीब होगा। बस मुझे चिंता है कि अगर कहीं पुलिस वाले ही पीकर झूमने लगे तो उन्हें कौन सुलाएगा? ह्माचल सरकार से मेरे दो प्रश्न भी हैं। प्रथम- क्या वह इस सेवा को शराब पीकर झूमने वाले ह्माचलियों को भी मुहैया करवाएगी? अगर हाँ तो कब तक? दूसरा- भाँग की खेती परवान चढऩे पर क्या यह सेवा बाहरी और लोकल भँगेडिय़ों दोनों को एक साथ उपलब्ध होगी या यह रहमत-ए-करम केवल बाहरी पर्यटकों को ही नसीब होगा।

देश दुनीया से

भारत ग्लोबल साउथ को कर सकता है एकजुट लेकिन वैश्विक अव्यवस्था के बीच लेने होंगे संकल्प

दुनिया समय और घटनाओं के मोड़ पर है। नए वर्ष में प्रवेश के बीच, उभरते संकटों ने नाराजगी और संशय के साये को जन्म दिया है। अंतहीन युद्ध और राष्ट्रीय हित की पुनर्परिभाषा विकास की संभावनाओं को धूमिल कर रही है। ऐसी धारणा बढ़ती जा रही है कि नियम आधारित विश्व व्यवस्था वैश्विक अव्यवस्था में बदल रही है। यह संदर्भ भारत के लिए मायने रखता है कि वह परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर दुनिया में कैसे अपनी क्षमता को आगे बढ़ाता है। जैसे-जैसे हम प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के चुनावी वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, भू-राजनीति की विषमताएं सामने आ रही हैं। भारत को इससे बचना होगा और खुलकर अपने विकल्पों पर विचार करना होगा। बहस के लिए परिस्थितियां तैयार करने का एक उपयोगी लेंस नए वर्ष पर संकल्प लेने की परंपरा है। इस परंपरा का सार चिंतन, पहचान और पुनर्स्थापना है। राष्ट्रीय आयात के मुद्दों पर और भू-राजनीतिक क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था बनाए रखने और उसका लाभ उठाने के मुद्दों पर सफलता आम सहमति बनाने की कला में निहित है। यहां कुछ प्रस्ताव सुझाए गए हैं, जिनकी शुरुआत उन बहुपक्षीय एजेंसियों में सुधारों से होती है, जिन्हें नियम-आधारित विश्व व्यवस्था को मजबूत करने का काम सौंपा गया है और जिस पर भारत ने काफी समय और श्रम खर्च किया है। संयुक्त राष्ट्र एक ऐसी अपवाद संस्था है, जो उत्तरोत्तर अपनी प्रासंगिकता घटाती जा रही है। इसी कारण आज दुनिया भर में 30 से अधिक संघर्ष के क्षेत्र बन चुके हैं। यूक्रेन युद्ध में किसी के विजेता होने की उम्मीद नहीं है और लगभग हर कोई चाहता है कि गाजा में युद्ध खत्म हो। शांति बाध्यकारी और गैर-बाध्यकारी संकल्पों में उलझी हुई है और उसे वीटो की ताकत वाले उन देशों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जो वैश्विक आबादी के छठे हिस्से से भी कम का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व और सुधारों के लिए समझौता करने और वीटो धारक देशों से निपटने के लिए जी-20 की तरह ग्लोबल साउथ को एकजुट कर सकता है। भारत का उदय स्वाभाविक रूप से निगरानी और खतरों को जन्म देता है, क्योंकि घरेलू राजनीति भू-राजनीति को प्रभावित करती है। कामकाज की शैली और प्रतिक्रियाओं के मापांकन पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। भावनात्मक विश्लेषण के इस युग में लाठियां और पत्थर तो हड्डियों को चोट पहुंचाएंगे, लेकिन शब्द कलंकित कर सकते हैं। भारत को दुनिया भर में अपने विदेशी सेवा कैडर का विस्तार करने की जरूरत है, ताकि वे उन परिभाषाओं पर सहयोग कर उन्हें फिर से तैयार करने में मदद कर सके, जो मायने रखती हैं। इसके लिए सक्रिय ढाल बनाने, अप्रासंगिक सिद्धांतों का मुकाबला करने और दोहरेपन को उजागर करने की आवश्यकता है। दोहा के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन की विफलता के बाद से विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का मृत्युलेख लिखा जा रहा है। मुक्त व्यापार के विचार को इसके प्रचारकों ने ही त्याग दिया है, जो अब संरक्षणवाद की वकालत कर रहे हैं। डब्ल्यूटीओ की अपीलीय संस्था 2020 से मृत है और मध्यस्थता सहयोगी व्यापारिक गुटों तक सीमित है। कैनकन में हुई मंत्रिस्तरीय बैठक की तरह भारत को डब्ल्यूटीओ की वैधता को फिर से जिलाने के लिए अर्थव्यवस्थाओं का गठबंधन बनाने की जरूरत है। बेहतर दिशा में पहला कदम उठाने से अगले मंत्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी करने और अपने एजेंडा को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। वर्ष 1944 में ब्रेटन बुड्स सम्मेलन में गठित दो संस्थानों, आईएमएफ और विश्व बैंक, ने उस समय के उद्देश्य पूरे कर लिए हैं। अतएव नई वास्तविकताओं के अनुरूप इनकी भूमिकाओं को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे में अग्रणी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत के पास सहयोग करने और एक नया ढांचा पेश करने का अवसर है। आईएमएफ को राहत पैकेज से आगे बढ़कर आने वाले संकटों की भविष्यवाणी करने के लिए डाटा पेश करने और लचीलेपन के लिए नीतियां तैयार करने की जरूरत है। जबकि विश्व बैंक को अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव को वित्तपोषित करने के लिए नए ढंग से स्थापित किया जाना चाहिए। चूंकि भारत वैश्विक बदलाव का भागीदार है, उसे अपने विकास को बनाए रखने के लिए घरेलू स्तर पर क्षमता तैयार करने और लचीलेपन की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान से पता चलता है कि अगले चार दशकों तक भारत की कामकाजी आबादी घटने वाली नहीं है। लेकिन जनसांख्यिकी नियति नहीं है। भारत को व्यवसाय मॉडल में विघटनकारी बदलाव के खातिर तैयार रहने के लिए मानव पूंजी में निवेश करना चाहिए। स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर अधिक खर्च करने का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है। गारंटी के इस दौर में क्या राजनीतिक दल स्वास्थ्य, शिक्षा व कौशल विकास के लिए धन खर्च करने पर प्रतिबद्धता जताएंगे? जनमत सर्वेक्षणों में बेरोजगारी शीर्ष चिंता का विषय है। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से पता चलता है कि 45 प्रतिशत से अधिक श्रमिक कृषि से प्राप्त राष्ट्रीय आय के छठे हिस्से पर निर्भर हैं।

संयुक्त राष्ट्र एक ऐसी अपवाद संस्था है, जो उत्तरोत्तर अपनी प्रासंगिकता घटाती जा रही है। इसी कारण आज दुनिया भर में 30 से अधिक संघर्ष के क्षेत्र बन चुके हैं। यूक्रेन युद्ध में किसी के विजेता होने की उम्मीद नहीं है और लगभग हर कोई चाहता है कि गाजा में युद्ध खत्म हो। शांति बाध्यकारी और गैर-बाध्यकारी संकल्पों में उलझी हुई है और उसे वीटो की ताकत वाले उन देशों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जो वैश्विक आबादी के छठे हिस्से से भी कम का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व और सुधारों के लिए समझौता करने और वीटो धारक देशों से निपटने के लिए जी-20 की तरह ग्लोबल साउथ को एकजुट कर सकता है।

आप का नजरीया

संगीतमय पर्यटन के लिए

वहां पंजाबी गीत-संगीत का तडक़ा, निजी तौर पर डा. सतिंद्र सरताज का कार्यक्रम और हिमाचली प्रशंसकों के उत्साह की स्वर लहरियों में पर्यटन की सारी संभावनाएं क्षमता में बदल रही थीं। धर्मशाला के त्रिगर्त ऑडिटोरियम में अगर वर्षांत पर्यटन को संगीत की महफिल ने लूट लिया, तो यह जश्न भाषा-संस्कृति व पर्यटन विभाग की अमानत भी तो हो सकता था या हमें वर्ष के अलग-अलग महोत्सवों में सैलानियों के कार्यक्रम जोड़ लेने चाहिएं। पर्यटक अपने कार्यक्रम बनाते हुए अगर पहले मौसम, बर्फ, साहसिक खेल तलाश रहा था, तो अब रोमांच, मनोरंजन, महफिल और देशी फूड का जायका खोज रहा है। उसके लिए अब हर मौसम और हिमाचल का हर भाग डेस्टिनेशन हो सकता है, बशर्ते वहां रोमांच, महफिल और भरपूर मनोरंजन हो। धर्मशाला का ऑडिटोरियम एक कलाकार के कंसर्ट से अगर डेस्टिनेशन बन सकता है, तो यह खूबी हर शहर, हर पर्यटक और धार्मिक स्थल में तराशी जा सकती है। कुछ ही दिनों में लोहड़ी और मकर संक्रांति पर्व की तैयारियों में तत्तापानी और गरली-परागपुर को कुछ हटकर महफिल, परंपरा और रोमांच की बस्ती के रूप में विज्ञापित किया जा सकता है। गरली-परागपुर के पारंपरिक लोहड़ी उत्सव के प्रांगण में महफिल सजाई जाए तो धरोहर गांव की परिपाटी में पर्यटन गांव की शिनाख्त हो जाएगी। इसी तरह तत्तापानी का खिचड़ी उत्सव मकर संक्रांति के आलम में लोक कला उत्सव में बदल सकता है। कांगड़ा-बैजनाथ की घृत मंडल परंपरा के उत्सव को नव वर्ष के आगमन की तहरीर में बदल सकते हैं, जहां मंदिर प्रांगण में लोक संगीत से भजन-भेंट की परंपरा पुष्ट होगी तथा स्थानीय कलाकारों को प्रश्रय मिलेगा। अगर हिमाचली टिकट खरीदकर पंजाबी कलाकार का जादू सिर पर चढ़ा सकते हैं, तो इस काबिलीयत में हिमाचली कलाकार की मान्यता बढ़ाने के लिए कला, भाषा एवं संस्कृति विभाग तथा अकादमी को प्रयास करना चाहिए। मंडी के सांस्कृतिक महत्त्व में पराफार्मिंग आट्र्स सेंटर बनाने की आवश्यकता है, तो प्रदेश के प्रमुख आधा दर्जन मंदिरों के आश्रय-प्रश्रय में सुविधा संपन्न कला केंद्र विकसित करने होंगे, जहां अत्याधुनिक सभागारों के निर्माण से हर दिन लोक गीत-संगीत व शास्त्रीय संगीत की महफिलें सजाई जा सकती हैं। इससे पहले मंदिर आय की फिजूलखर्ची रोककर इसे ऐसी अधोसंरचना में लगाना होगा, जहां पर्यटन आर्थिकी का सृजन हो सके। मंदिरों में हिमाचल आने वाले करीब अस्सी फीसदी सैलानी अब आस्था में भी मनोरंजन की गलियां और महफिल की परिक्रमा करना चाहते हैं। ऐसे में धार्मिक नगरियों का विस्तार और विकास टीसीपी के तहत कुछ इस प्रकार हो कि आठ से दस किलोमीटर के दायरे तक के क्षेत्र में पर्यटकों की जरूरतें और उनके रुकने के कारण परवान चढ़ सकें। हिमाचल के सूचना एवं जन संपर्क, भाषा एवं संस्कृति तथा पर्यटन विभागों को समाहित करके एक ही विभाग बना दें, तो लोक कला एवं संस्कृति के उत्थान के साथ-साथ पर्यटन, गतिविधियों का वार्षिक कैलेंडर भी स्थायी रूप से विविध आकर्षणों के साथ-साथ समारोहों, उत्सवों, गीत-संगीत सम्मेलनों के अलावा वार्षिक मेलों में पर्यटकों को आमंत्रित कर पाएंगे।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री 16 हजार करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण व शिलान्यास

प्रयागराज (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी माह में संगम नगरी आ सकते हैं। मुख्य कार्यक्रम श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क बनकर तैयार है, जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री के हाथों कराने की योजना है। उनके आगमन को लेकर तैयारियां शुरू करा दी गई हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री के साथ कई केंद्रीय मंत्री भी आएंगे। प्रधानमंत्री यहां लगभग 16 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसमें रिंग रोड, प्रयागराज-रायबरेली फोरलेन हाईवे, 12 आरओबी, फाफामऊ सिक्सलेन ब्रिज, रोपवे भी शामिल है। इसके अतिरिक्त मोदी डिजिटल कुंभ म्यूजियम, गंगा और यमुना व टोंस नदी पर नया पुल, एसटीपी, पक्के स्नान घाट, रिवर फ्रंट टाइप रोड्स, अक्षयवट कॉरिडोर व हनुमान मंदिर कारिडोर, लाक्षागृह पर्यटन केंद्र, ईको टूरिज्म सेंटर, हेलीपोर्ट, एयरपोर्ट विस्तार प्रोजेक्ट, रेलवे की कई बड़ी परियोजनाएं भी शामिल है। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारी भी शुरू करा दी गई है, लेकिन कार्यक्रम के बारे में कोई प्रशासनिक अफसर बोलने को तैयार नहीं है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर मंथन

रांची (हिंस)। राजधानी रांची के कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में झारखंड कांग्रेस प्रभारी की उपस्थिति में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुधवार को आयोजित हुई। बैठक में झारखंड की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चिंतन-मंथन हुआ। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि कांग्रेस सांगठनिक एकजुटता के साथ आगामी चुनावों में पार्टी का जनाधार मजबूत करते हुए सशक्त भूमिका निभाए और पार्टी की जीत को अधिक से अधिक सीटों पर सुनिश्चित करे। बैठक के बाद झारखंड के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी विस्तार और विधायकों के साथ एक-एक विषय पर चर्चा हुई।

नीतिश कुमार को आईएनडीआई का संयोजक बनाया जाता है तो होगी खुशी : अजीत

भागलपुर (हिंस)। लोकसभा के 10 सीटों पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा दावा ठोके जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भागलपुर विधायक अजीत शर्मा ने बुधवार को कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी बिहार में 9 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। वहीं इस बार हमलोगों ने काम से कम 12 सीटों पर लड़ने का मन बनाया था। उन्होंने कहा कि नीतिश कुमार ने आईएनडीआईए गठबंधन की नींव रखी थी। अगर उनको आईएनडीआई गठबंधन का संयोजक बनाया जाता है तो काफी खुशी होगी। उल्लेखनीय हो कि एक तरफ जहां एक तरफ जहां आईएनडीआईए भारतीय जनता पार्टी को देश से उखाड़ फेंकने की बात कर रही है। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी भी इस चुनाव को कई पहलू से जोड़कर बहुमत पाने के लिए एड़ी चोटी एक करने के लिए रणनीति बनाने में जुट गई है। जैसे-जैसे चुनाव की तिथि नजदीक आती चली जा रही, वैसे-वैसे राजनीतिक सरगर्मी भी तेज होती चली जा रही है। अब सीट शेयरिंग को लेकर हर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी रणनीति बनाना शुरू कर दी है। आईएनडीआईए गठबंधन में मची घमासान के बीच लोकसभा चुनाव के सीट शेयरिंग की चर्चा भी तेज हो गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वर्चुअल माध्यम से बिहार में सीट शेयरिंग को लेकर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और एनसीपी के शरद पवार से बातचीत की है। इस दौरान कांग्रेस ने पटना, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, नवादा, सासाराम, औरंगाबाद, बक्सर और मोतिहारी लोकसभा सीट पर अपना दावा भी ठोका है।

राज्य में पीडीएस डीलर्स की हड़ताल रहेगी जारी

रांची (हिंस)। पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल से राज्य में राशन का वितरण ठप पड़ा है। मंगलवार को खाद्य आपूर्ति विभाग सचिव अमिताभ कौशल के साथ पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन की बैठक थी लेकिन एसोसिएशन की मांगों पर विभाग की ओर संतोषजनक आश्वासन नहीं मिलने के कारण एसोसिएशन ने हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है। राज्य में 25400 पीडीएस डीलर हैं, जिनके माध्यम से सरकार राशन वितरण करती है। पीडीएस डीलर्स की हड़ताल के कारण गरीबों को राशन नहीं मिल रहा है। राज्य में अंत्योदय राशन कार्ड की संख्या 892488 है, जिनमें परिवार के सदस्यों की संख्या 3449144 है। पीएचएच राशन कार्ड की संख्या 5211687 है, जिनमें परिवार के सदस्यों की संख्या 22976241 है। पीएचएच राशन कार्ड में चावल चार और एक किलो गेहूं प्रति सदस्य प्रति माह मिलता है जबकि ग्रीन राशन कार्ड में 484476 है, जिसमें परिवार की सदस्यों की संख्या 1509715 है।

लोकसभा चुनाव की तैयारी को ले भाजपा ने किया जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक

कटिहार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक की। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोज राय ने की। बैठक में चुनाव की तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा किया गया। इस संदर्भ में जिला अध्यक्ष ने कहा कि 10 से 15 जनवरी के बीच कटिहार जिला के सभी विधानसभा में संयुक्त मोर्चा की बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें केंद्र और बिहार से कई बड़े नेता शामिल होंगे। 25 जनवरी को सभी विधानसभा स्तर एवं मंडल में नए मतदाताओं का सम्मेलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रांतीय स्तर से लेकर जिला स्तर के नेता एवं पदाधिकारी सभी पंचायत में एक दिन का प्रवास करेंगे। बैठक में लोकसभा चुनाव की रुपरेखा जिला से लेकर मंडल स्तर, शक्ति केंद्र, एवं बुथ स्तर पर प्रदेश द्वारा दिया गया सभी करनीय कार्य को मंडल बैठक में 05 जनवरी से 10 जनवरी तक करने के साथ साथ शक्ति केंद्र की बैठक कर सभी संगठनात्मक कार्यों को करने को कहा गया। बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तेल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं वंदे मातरम की जयघोष के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद मौजूद थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री के अलावा बैठक में विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल, प्राणपुर विधायक निशा सिंह, प्रदेश मंत्री स्वदेश यादव, पूर्व सांसद निखिल कुमार चौधरी, पूर्व विधान पार्षद राजवंशी सिंह, पूर्व विधायक विभाष चंद्र चौधरी, लोकसभा प्रभारी, बिनोद मंडल, जिला प्रभारी सुरेश सुराना, निवर्तमान जिला अध्यक्ष लक्खी प्रसाद महतो, पूर्व जिलाध्यक्ष चन्द्र भूषण ठाकुर, जिला महामंत्री रामनाथ पांडे, वीरेंद्र यादव, सौरभ कुमार मालाकार, लोकसभा संयोजक कैलाश सिंह, सहसंयोजक गोविंद अधिकारी, जिला उपाध्यक्ष दिलीप वर्मा, शोभा जयसवाल, राजकुमार राय, जिलामंत्री धर्मनाथ तिवारी, मंजू चंद्रवंशी, आलोक मंडल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रीना झा, कोषाध्यक्ष विनिता वाधवानी, भास्कर सिंह, छाया तिवारी, सहित सभी 29 मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, विधानसभा प्रभारी, मंडल प्रभारी, मंच मोर्चा के अध्यक्ष महामंत्री, सहित प्रदेश प्रकोष्ठ एवं मोर्चा के पदाधिकारी बड़ी संख्या में जिला बैठक में शामिल हुए।

देश की एकता के लिए भगवान श्री राम का मंदिर बहुत जरूरी : मेनका

सुलतानपुर (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका संजय गांधी 22 जनवरी को भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम पर कहा कि इस देश की एकता के लिए भगवान श्रीराम मंदिर बहुत जरूरी है, इससे एक नवीनता आएगी, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बहुत ही बारीकी से इस काम को किया है जिसके लिए उनकी पूरे विश्व में जय-जयकार हो रही है। श्रीमती गांधी ने कहा कि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद सुलतानपुर के रामायण सर्किट से जुड़े सीताकुंड घाट एवं धोपाप स्थल का भी विकास होगा। बुधवार को दौरे के पहले दिन जयसिंहपुर के हरिहरपुर गांव में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में बन रहे भव्य मंदिर दर्शन हेतु घर-घर पूजित अक्षत को वितरित किया। इसके बाद सराय जेहली गांव में बृहद जन चौपाल कार्यक्रम में शामिल होकर बड़ी संख्या में फरियादियों की समस्याओं का समस्त विभाग के अधिकारियों के सहयोग से निस्तारण किया। श्रीमती गांधी ने गोसैसिंहपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पूर्ण हो चुके आवास के 2176 लोगो के लाभार्थियों को स्वामित्व प्रमाण पत्र एवं चाभी का वितरण किया। श्रीमती गांधी ने सरतेजपुर गांव जाकर बलिदानी कारसेवक स्व. राम बहादुर वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि व्यक्ति की।

2024 भारत के आध्यात्मिक, सनातनी संस्कृति के उन्नयन के लिए जाना जाएगा

पूर्णिया (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्णिया सदर विधायक विजय खेमका ने कहा कि बिहार सहित पूरा देश प्रभु राम के भक्ति भाव से सराबोर है। हर तरफ उत्सवी माहौल है। सभी लोग 22 जनवरी का बेसब्री से इंतजार कर रहे है, जिस दिन अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। विधायक ने कहा कि 2024 देश के आध्यात्मिक और सनातनी संस्कृति के उन्नयन के लिए जाना जायेगा। अयोध्या अपने नए अवतार के रूप में दिख रही है। पीएम मोदी ने अयोध्या को 15, 700 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी है। कुछ योजनाएं लोकार्पित की गई है। जबकि कुछ का शिलान्यास हुआ है। अयोध्या धाम बिल्कुल नए रूप में दिख रही है। चौड़ी सड़कें, प्रकाश की उत्तम व्यवस्था और साफ-सफाई आगंतुकों का मन मोह लेती है। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन तथा महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट आकर्षण का केंद्र बना है। खेमका ने कहा मां पूरण देवी की नगरी पूर्णिया क्षेत्र में भी लोगों के बीच राम मंदिर को लेकर काफी उत्साह है। नगर एवं ग्रामीण में भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ स्थान से पूजित अक्षत एवं चित्र वितरण हो रहा है। जिला क्षेत्र में राम भक्त अक्षत कलश यात्रा निकाल रहे है। देश की जनता उत्सुकता से अयोध्या भव्य राम मंदिर में भगवान श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक दिन का इंतजार कर रही है।

ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक होगी कि नहीं, फैसला कल

एएसआई ने चार सप्ताह तक सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक न करने का अनुरोध किया

वाराणसी (हिंस)। ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग वाली याचिका पर बुधवार को जिला जज की अदालत में सुनवाई हुई। वादी पक्ष ने सर्वे रिपोर्ट को अपने अधिवक्ता के मेल पर देने की मांग की थी। अदालत में एएसआई ने सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक न करने की अपील करते हुए कम से कम चार हफ्ते तक रुकने की अपील की है। एएसआई का कहना है कि लोवर कोर्ट में भी सर्वे की द्वितीय प्रति दाखिल किया जाना है। इसमें कम से कम चार सप्ताह का समय लगेगा। ऐसे में चार सप्ताह तक रिपोर्ट को सार्वजनिक न किया जाए। प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने भी किसी भी हालत में रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं करने की मांग पहले ही की है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई टाल दी। अब गुरुवार को आदेश आ सकता है। एएसआई ने 18 दिसंबर को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में हुए वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट जिला अदालत में सीलबंद लिफाफे में दाखिल की थी। रिपोर्ट दाखिल होते ही वादी हिंदू पक्ष की महिलाओं की ओर से अदालत से सर्वे रिपोर्ट बिना सील लिफाफे में देने और सार्वजनिक करने की मांग की गई। वादी पक्ष ने कहा था कि सर्वेक्षण की रिपोर्ट उनके अधिवक्ता के ई-मेल पर भेजा जाए। इसका विरोध प्रतिवादी पक्ष ने किया था। प्रतिवादी पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने आवेदन में कहा है कि यह बहुत गंभीर व संवेदनशील मामला है। संवेदनशीलता को ध्यान में रख रिपोर्ट को वादी सहित किसी दूसरे से साझा नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट सीलबंद कवर में दी जाए। अनुरोध किया कि शपथ पत्र लेने के बाद ही सर्वे की रिपोर्ट दी जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सर्वे की रिपोर्ट लीक नहीं होगी। प्रतिवादी पक्ष ने कहा कि वादी पक्ष से हलफनामा लिया जाए कि रिपोर्ट को मीडिया या सोशल मीडिया पर न तो साझा करेंगे और न ही उस पर टिप्पणी होगी।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में पकड़ा फर्जीवाड़ा

साथी को दौड़ाकर परीक्षा पास की

जोधपुर (हिंस)। पुलिस आयुक्तालय जोधपुर में कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के शारीरिक दक्षता जांच में आए एक युवक ने फर्जीवाड़ा करते हुए अपने साथी को दौड़ा दिया। रिडिंग की जांच में यह फर्जीवाड़ा सामने आया। युवक ने परीक्षा पास कर ली थी। अब उसके खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज हुआ है। जिसमें जांच की जा रही है। मामला मंडोर थाने मे दर्ज हुआ है। पुलिस मुख्यालय के आदेश पर जोधपुर आयुक्तालय में कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन के तहत शारीरिक दक्षता और माप तोल 27 व 28 दिसम्बर को किया गया था। 28 दिसम्बर को इसका आयोजन बीएसएफ ट्रेनिंग सेंटर पर चल रहा था। तब वहां पर दो अभ्यर्थी अलवर के अमाला रेनी निवासी गौरव मीणा और सवाई माधोपुर के हीरपुर गंगापुर निवासी बलराम मीणा भी आए थे। यहां पर दौड़ में अभ्यार्थियों को चेस्ट नंबर और चिप का आवंटन हो रखा था। चिपों को उनके पैरों पर बांध गया था। गौरव मीणा पांच किलोमीटर दौड़ के लिए चिप में आई रिडिंग से पता लगा कि वह पहली चिप में 10 राउंड चक्कर पूरे कर चुका है मगर दूसरी चिप में 12 राउंड का पता लगा। रिडिंग में गड़बड़ी का पता तब लगा जब हैदराबाद की टाइमिंग टैक्रालॉजी प्राइवेट लिमिटेड में इसकी जांच हुई। गौरव मीणा द्वारा पुलिस कांस्टेबल शारीरिक दक्षता एवं मापतोल में परीक्षा को पास कर लिया गया था। मगर जब रिडिंग में पता लगा कि फर्जीवाड़ा हुआ तो इसका खुलासा हो पाया। उसने अपने साथी बलराम मीणा को दौड़ में चिप के सहारा दौड़ाया। गौरव को चेस्ट संख्या 3023 और बलराम मीणा को चेस्ट संख्या 3021 का आवंटन हो रखा था।

जिला कलक्टर व एसपी ने हिट एंड रन कानून की शंकाओं का किया समाधान

डूंगरपुर (हिंस)। जिला कलक्टर लक्ष्मी नारायण मंत्री और पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बुधवार को हिट एंड रन के मामलों में भारतीय न्याय संहिता में किए गए दंडात्मक प्रावधानों को लेकर जिले के वाहन चालकों, मोटर ट्रांसपोर्ट यूनियन, बस यूनियन, टैम्पो व टैक्सी यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। ईडीपी सभागार में आयोजित संवाद के दौरान नए कानून के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर किया गया। जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक ने पूरी संवेदनशीलता के साथ वाहन चालकों और ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुडे लोगों की बात को सुना और उनकी शंकाओं व जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने नए कानून के प्रति किसी भी प्रकार की भ्रांति न फैलाने की अपील की। जिला कलक्टर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यदि कोई भी चालक चाहे वह बस का हो या ट्रक का हो या कार का, अगर टक्कर मारकर वह भाग जाता है, तो घायल व्यक्ति के बचने की संभावना बहुत कम रह जाती है। ज्यादातर सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की समय पर इलाज नहीं मिलने से मृत्यु हो जाती है। ऐसी दुर्घटना किसी के भी साथ हो सकती है। इस कानून को लेकर किसी भी प्रकार का अनावश्यक भय या पूर्वाग्रह नहीं रखें, क्योंकि यह सबके हित में है। पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने कहा कि जिसका एक्सीडेंट हो गया या जिसके परिवार में किसी की दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है, तो उनके परिजनों को जीवन भर यह अफसोस रहता है कि काश कोई समय पर अस्पताल पहुंचा देता। नए कानून में इसी मानवीय पहलू को ध्यान में रखा गया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमेंद्र नागर, जिला परिवहन अधिकारी अनिल माथुर और जिला रसद अधिकारी विपिन जैन ने भी नए कानून के बारे में जानकारी दी। संवाद कार्यक्रम में वागड़ बस एसोसिएशन से वल्लभराम पाटीदार, शैलेष मेहता, अनिल मेहता, दीपक तंबोली, ट्रक एसोसिएशन से विजय भाई पटेल, गौतम भोई, टैम्पो एसोसिएशन से सोनू, राकेश रोत, ड्राइवर एसोसिएशन से कांति, हरिश, जयंती, जिला परिवहन विभाग से इंसपेक्टर विनय सिंह, प्रवीण कलाल, मयंक गमेती, हिमांशु और बड़ी संख्या में वाहन चालक उपस्थित रहे।

भगवान राम करोड़ों की आस्था के केंद्र, जीवन पद्धति है : शेखावत

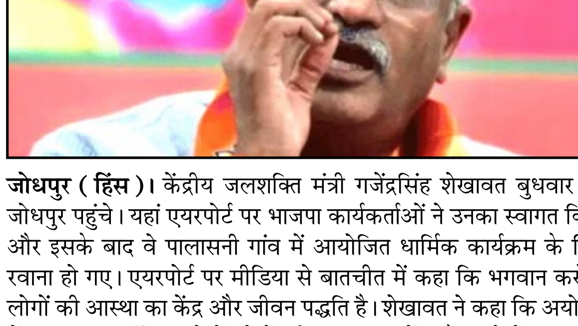

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत बुधवार को जोधपुर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया और इसके बाद वे पालासनी गांव में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवान करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र और जीवन पद्धति है। शेखावत ने कहा कि अयोध्या में बन रहा राममंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। करोड़ों का सपना इस मंदिर से पूरा होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों को बड़ी सौगात दी है। 22 जनवरी का इसका शुभारंभ होने जा रहा है देश में दीवाली सा माहौल बनेगा। शेखावत ने यहां एयरपोर्ट पर लोगों से कुछ देर बात कर उनकी समस्याएं सुनने के साथ ज्ञापन भी लिए। बता दें कि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत आज पालासनी गांव में ब्रह्मलीन आयश योगी कैलाशनाथ की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने यहां पहुंचे।

यमुनानगर : तीन दिन की हड़ताल पर बैठे पटवारी और कानूनगो

यमुनानगर (हिंस)। जिले के पटवारी व कानूनगो अपनी मांगों को लेकर बुधवार को लघु सचिवालय के सामने अनाज मंडी गेट पर तीन दिन की सांकेतिक हड़ताल पर बैठ गए। पटवारी रामफल ने बताया कि वेतन 35400 रुपए किए जाने की मांग को लेकर जनवरी 2023 में प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य की एक बैठक मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली के हरियाणा भवन में हुई थी। जिसमें उन्होंने समाधान निकालने पर सहमति दी थी और जनवरी 2016 से पे स्केल में 2500 रुपए से बढ़ाकर 3200 रुपए की अधिसूचना जारी की थी। अधिसूचना जारी होने के बाद के बाद का एरियर दिया जाए। वहीं जनवरी 2023 से आगे के लिए भी लागू किया जाए। उन्होंने बताया कि हरियाणा वित्तीय विभाग ने 9 फरवरी 2023 को एक दूसरा पत्र जारी कर दिया, जिसमें उन्होंने वेतन प्रॉस्पेक्टवली देने की बात कही। जिसके अंतर्गत जो वेतन पटवारी पहले से ले रहे हैं। उनका भी वेतन कम हो जाएगा। इसलिए सरकार से हमारी मांग है कि वित्त विभाग के आदेश को वापस लिया जाए। उन्होंने बताया कि जिले में 90 पद पटवारी के और 15 पद कानूनगो के हैं, लेकिन 90 पदों में से सिर्फ 36 पटवारी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यालय पर हमारे न मिलने की लोगों की शिकायतें भी जायज हैं। कम पटवारी होने की वजह से कार्यालय में हम जनता से नहीं मिल पाते है और जनता के काम में रुकावट आती है।

पंजाब सरकार ने मार्च तक सभी शिक्षक की छुट्टियां कीं निरस्त

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए मार्च माह तक सभी शिक्षकों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। यह फैसला विद्यार्थियों की पढ़ाई को देखते हुए लिया गया है। इस संबंध में राज्य सरकार ने बुधवार को आदेश जारी कर दिया गया है। केवल विशेष मामलों में ही छुट्टियां दी जाएंगी। सरकार ने इसके अलावा ही चाइल्ड केयर लीव को लेकर बड़े बदलाव किए गए हैं। यह लीव भी विशेष स्थितियों में दी जाएगी। पंजाब में अब बच्चों की साइंस व गणित की पढ़ाई में किसी तरह का व्यवधान नहीं आने वाला। सरकार 19 हजार स्कूलों में तैनात गणित व साइंस विषयों के अध्यापकों पर अब अन्य किसी तरह के काम का बोझ नहीं डालेगी। न ही उन्हें स्कूलों में आने वाले विभिन्न फंडों का इंचार्ज बनाया जाएगा।

राम जन्मभूमि को पूरी जमीन मिल गई, अब कृष्ण जन्मभूमि खुद ही दे दें तो अच्छा होगा : दिलावर

जयपुर (हिंस)। नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को शासन सचिवालय के मंत्रालय भवन स्थित अपने कक्ष में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान तक पहुंचाने के लिए प्राथमिकता के साथ कार्य किए जाएंगे। दिलावर ने कहा कि गरीब को गणेश मानकर काम करेंगे। अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को धीरे-धीरे आगे लाने का प्रयास रहेगा। इस अवसर पर एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के अपनी मस्जिदों को आबाद रखो के बयान पर दिलावर ने पत्रकारों से कहा कि राम जन्मभूमि को पूरी जमीन मिल गई हैं। अब कृष्ण जन्मभूमि खुद ही दे दें तो अच्छा होगा। वरना कानून अपना काम करेगा। अदालतें अपना काम करेगी। अभी भी मैं आग्रह करूंगा कि कृष्ण जन्मभूमि हमें मिल जाए तो बेहतर होगा। दिलावर ने कहा कि कलंकित ढांचे को ढहाने और अस्थायी मंदिर बनाने में मेरा भी आंशिक योगदान था। मैं परिवार और कार्यकर्ताओं के साथ रामलला के दर्शन करने जाऊंगा। इस दौरान उनके परिजन भी उपस्थित रहे। सभी ने दिलावर को पदभार ग्रहण की बधाई दी।

कश्मीर घाटी में शुष्क शीत लहर जारी

अधिकांश जलस्त्रोत जमे

श्रीनगर (हिंस)। कश्मीर घाटी में बुधवार को भी शुष्क शीत लहर जारी है। इसी बीच कश्मीर घाटी में अधिकांश जलस्त्रोत जम चुके है। कश्मीर शुष्क शीत लहर की चपेट में है क्योंकि डल, निगीन, वुलर और अन्य सभी झीलें और नदियां कुछ हिस्सों में जम गईं है। वहीं जल शक्ति विभाग द्वारा जल आपूर्ति योजनाओं के माध्यम से लोगों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। मौसम कार्यालय ने 4 जनवरी से 6 जनवरी तक बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है जिससे मैदानी इलाकों में बारिश, बर्फबारी की संभावना नहीं है। बुधवार को श्रीनगर शहर का न्यूनतम तापमान माइनस 4.8 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि गुलमर्ग और पहलगाम का तापमान माइनस 3.8 और माइनस 6.6 था।

वेनेजुएला भारत को तेल की आपूर्ति करने को हुआ तैयार, पेट्रोलियम सचिव ने दी यह जानकारी

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम सचिव पंकज जैन ने बताया है कि वेनेजुएला लंबित लाभांश के बदले ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) को कच्चे तेल की आपूर्ति करने पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा, वे ओवीएल के बकाया के बदले हमें कुछ तेल देने पर सहमत हो गए हैं। पेट्रोलियम सचिव ने कहा, हम तारीखें बताए जाने का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका की ओर से अक्टूबर में वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर प्रतिबंधों में ढील देने के बाद यह एलान किया गया है। मादुरो के 2018 में फिर से चुने जाने के बाद उनकी सरकार को दंडित करने के लिए ये प्रतिबंध लगाए गए थे। इससे पहले, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत वेनेजुएला का तेल खरीदेगा, यह कहते हुए कि भारतीय रिफाइनरियां दक्षिण अफ्रीकी देश से भारी तेल का प्रसंस्करण करने में सक्षम हैं। पुरी ने एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा कि नई दिल्ली किसी भी ऐसे देश के साथ तेल आयात फिर से शुरू करने की इच्छुक है, जिस पर प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा, भारत वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। पारादीप सहित हमारी कई रिफाइनरियां वेनेजुएला से आने वाले भारी तेल का प्रसंस्करण करने में सक्षम हैं। हम किसी के साथ भी तेल आयात फिर से शुरू करने के इच्छुक हैं, जिस पर प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा, हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हम प्रतिदिन 50 लाख बैरल कच्चे तेल का इस्तेमाल कर रहे हैं, और यह आंकड़ा हर दिन बढ़ रहा है। अगर वेनेजुएला का तेल बाजार में आता है तो हम इसका स्वागत करेंगे। भारत ने आखिरी बार 2020 में वेनेजुएला के कच्चे तेल का आयात किया था जब अमेरिका ने देश पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाए थे। अमेरिका ने मादुरो के 2018 के पुन: निर्वाचन के बाद उनकी सरकार को दंडित करने के लिए वेनेजुएला पर कठोर प्रतिबंध लगाए थे। दक्षिण अमेरिकी देश जल्द ही 1 मिलियन बीपीडी तक पहुंचने के लक्ष्य के साथ कच्चे तेल के लगभग 8,50,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) का उत्पादन कर रहा है। भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है। इसने अपने ऊर्जा परिदृश्य को नया रूप देने के लिए एक रणनीतिक यात्रा शुरू की है। विदेशी तेल पर बहुत अधिक निर्भर राष्ट्र के रूप में, जो अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक तेल आयात करता है।

न्यूज ब्रीफ

दिसंबर 2023 में यूपीआई ट्रांजैक्शन ने बनाया नया रिकॉड:1,202 करोड़ लेनदेन के जरिए 18.23 लाख करोड़ ट्रांसफर, एक साल में 54 प्रतिशत ग्रोथ

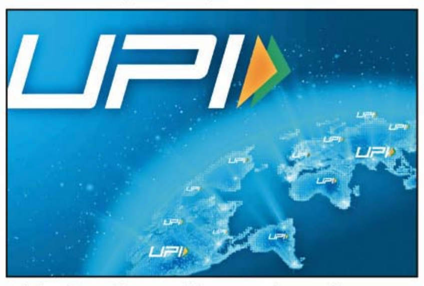

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूएपीआई ने दिसंबर 2023 में 1,202 करोड़ ट्रांजैक्शन का नया रिकॉर्ड बनाया है। इस दौरान लोगों ने 18,22,949.45 करोड़ रुपए के ट्रांजेक्शन किए हैं। वहीं, एक महीने पहले नवंबर में 1,123 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 17,39,740.61 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पेमेंट सिस्टम के ये आंकड़े शेयर किए हैं। दिसंबर के आंकडे को देखें तो, सालाना आधार पर ट्रांजैक्शन की संख्या में 54 प्रतिशत और इसके जरिए ट्रांसफर किए गए अमाउंट में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के आंकडों के मुताबिक, साल 2023 में किए गए टोटल ट्रांजैक्शन का वॉल्यूम (संख्या) 11,724 करोड़ रहा है। वहीं इसके जरिए ट्रांसफर किया गया अमाउंट यानी वैल्यू 182.3 लाख करोड़ रुपए रहा है यूएपीआई सर्विस के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है।

सोने , चांदी की कीमतें घटीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने के वायदा भाव की आज मिश्रित शुरुआत हुई। सोने के वायदा भाव में जहां बढ़त रही, वहीं चांदी के वायदा भाव में कमजोरी रही। चांदी के वायदा भाव 74 रुपये से नीचे खुलने के बाद 74 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वहीं सोने के वायदा भाव 63,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी कमी आई। इसके अलावा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी अनुबंध आज एक रुपये की बढ़त के साथ 63,258 रुपये के भाव पर खुला। यह 63,331 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 63,257 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर आया। वहीं पिछले साल दिसंबर महीने में ही सोने के वायदा भाव 64,063 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 124 रुपये की गिरावट के साथ 73,971 रुपये के भाव पर खुला। अंतरराष्टीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कोमेक्स पर सोना 2,067.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं कोमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.88 डॉलर के भाव पर खुले।

भारतीय करेंसी में आई तेजी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे चढ़ा रुपया

नई दिल्ली। क्रूड ऑयल की कीमतों में आई नरमी ने रुपया को बढ़त हासिल करने में मदद किया है।

कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे बढ़कर 83.28 पर पहुंच गया। यह बढ़त रुपया को निचले स्तर से उठाने में मदद करेगा। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के अनुसार शेयर बाजार में नकारात्मक रुख के बीच भारतीय मुद्रा दबाव में रही। आज इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में भारतीय करेंसी 83.30 पर खुली और शुरुआती कारोबार में ग्रीनबैक के मुकाबले 83.28 पर पहुंच गई। यह पिछले बंद से 4 पैसे की वृद्धि दर्ज करती है। बीते दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 83.32 पर बंद हुई। इस बीच, डॉलर सूचकांक जो 6 करेंसी की मजबूती को दर्शाता है। डॉलर 0.11 प्रतिशत कम होकर 102.08 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मूल्य बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत गिरकर 75.87 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बीएसई सेंसेक्स 350.43 अंक या 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,542.05 पर कारोबार कर रहा था। व्यापक एनएसई निफ्टी 87.10 अंक या 0.4 प्रतिशत गिरकर 21,578.70 पर आ गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) 1,602.16 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सुप्रीम कोर्ट का सेबी की जांच में दखल से इनकार कहा- तीन महीने में जांच पूरी करे नियामक

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों पर सेबी की जांच में दखल देने से इनकार किया है। तीन जजों की बेंच ने अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों से जुड़े मामले में फैसला सुनाया है। अदालत ने सेबी को 22 मामलों की जांच सौंपी थी जिसमें दो की जांच बाकी है। न्यायालय ने सेबी को तीन महीने में लंबित जांच पूरी करने का निर्देश दिया है।

शीर्ष अदालत ने कहा- यह साबित करने का कोई आधार नहीं है कि सेबी ने ढिलाई बरती

अदाणी समूह को बड़ी राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह नियामकीय व्यवस्था के दायरे में नहीं आ सकता और हिंडनबर्ग की रिपोर्ट या ऐसी कोई भी चीज अलग से जांच के आदेश का आधार नहीं बन सकती। अदालत ने कहा कि सेबी आगे बढ़ेगा और कानून के अनुसार अपनी जांच जारी रखेगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह साबित करने का कोई आधार नहीं है कि सेबी ने कदम उठाने में ढिलाई बरती। इसके अलावा, अदालत ने कहा कि वर्तमान में मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने का कोई आधार नहीं है। फैसले में आगे कहा गया है कि सरकार और सेबी शॉर्ट-सेलिंग पर हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए कानून के उल्लंघन के आरोपों, यदि कोई हो, की जांच करेंगे और इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सरकार और सेबी से नियामकीय ढांचे को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर विचार करने को कहा है। उच्चतम न्यायालय ने अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने से इंकार किया है।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनाया फैसला

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की तीन जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सेबी को एफपीआई और एलओडीआर नियमनों पर उसके संशोधनों को रद्द करने का निर्देश देने के लिए कोई वैध आधार नहीं है। सेबी ने 22 में से 20 मामलों में जांच पूरी कर ली है। अदालत ने कहा, सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन को ध्यान में रखते हुए, हम सेबी को अन्य दो मामलों में 3 महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अदाणी समूह के शेयरों में दिखी तेजी

अदाणी हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 17.83 प्रतिशत चढ़ गया। इस दौरान एनडीटीवी में 11.39 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 9.99 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 9.13 प्रतिशत और अदाणी एंटरप्राइजेज में 9.11 प्रतिशत का उछाल आया। अदाणी विल्मर का शेयर 8.52 प्रतिशत, अदाणी पावर 4.99 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स 3.46 प्रतिशत और एसीसी 2.96 प्रतिशत के लाभ के साथ कारोबार करते दिखे। समूह की दो कंपनियों- अदाणी पोर्ट्स और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर सुबह के कारोबार में अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 319.47 अंक के नुकसान के साथ 71,544.60 अंक पर और निफ्टी 104.30 अंक टूटकर 21,561.50 अंक पर कारोबार कर रहा था।

हिंडनबर्ग ने लगाए थे कॉरपोरेट इतिहास की सबसे बड़ी धोखाधड़ी के आरोप

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में दावा किया है कि अरबपति गौतम अदाणी ने कॉरपोरेट इतिहास में सबसे बड़ी धोखाधड़ी की है। पिछले महीने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा था कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट में जो कुछ कहा गया है, उसे पूरी तरह से सही नहीं माना जा सकता।

अदाणी समूह के मुखिया ने दी ये प्रतिक्रिया

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अदाणी समूह के चेयरमपर्सन गौतम अदाणी ने ट्वीट किया, सुप्रीम कोर्ट का फैसला दिखाता है कि: सच्चाई की जीत हुई है। मैं उन लोगों का आभारी हूं जो हमारे साथ खड़े रहे। भारत की विकास गाथा में हमारा विनम्र योगदान जारी रहेगा।

पीएनबी और आईसीआईसीआई सहित चार बैंकों ने महंगा किया कर्ज एक जनवरी से लागू हुआ नियम

नई दिल्ली ।

पीएनबी समेत चार बैंकों ने कर्ज महंगा कर दिया है। आईसीआईसीआई बैंक ने सबसे अधिक 0.10 फीसदी की बढ़ोतरी की है। चारों बैंकों की नई दरें एक जनवरी से लागू हो गई हैं। अगर आप कर्ज लेने की योजना बना रहे हैं तो 0.10 फीसदी तक ज्यादा ब्याज चुकाना होगा। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के मुताबिक, एक महीने के कर्ज पर ब्याज दर 8.25 से बढ़कर अब 8.30 फीसदी हो गईहै। एक साल की दर 8.70 फीसदी होगी, जो पहले 8.65 फीसदी थी। बैंक ने कई और अवधि वाले कर्जों की भी ब्याज दरें बढ़ाई हैं। साथ ही, बैंक ने जमा पर भी ब्याज दरों में इजाफा किया है।इसके तहत 180 से 270 दिन के लिएदो करोड़ से कम जमा पर 0.45 फीसदी अधिक ब्याज मिलेगा। 271 दिन से एक साल से कम के जमा पर 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। 400 दिनों वाले जमा पर 6.80 फीसदी की जगह 7.25 फीसदी ब्याज मिलेगा।

आईसीआईसीआई बैंक

बैंक की वेबसाइट के अनुसार, एक महीने की अवधि वाले कर्ज पर ब्याज दर 8.5 फीसदी से बढ़कर 8.6 फीसदी हो गई है। एक साल वाले कर्ज के लिए ग्राहकों को 9 फीसदी की जगह 9.10 फीसदी ब्याज देना होगा।

बैंक ऑफ इंडिया व यस बैंक ने भी बढ़ाईदर

बैंक ऑफ इंडिया की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक, छह महीने की अवधि के लिएकर्ज लेने पर अब 8.60 फीसदी ब्याज देना होगा।एक साल की अवधि वाले कर्ज की दर अब 8.80 फीसदी होगी। एक रात वाले कर्ज के लिएबैंक के ग्राहकों को 8 फीसदी दर से ब्याज भरना होगा।

यस बैंक का कर्ज सबसे महंगा

यस बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, एक साल की अवधि वाले कर्ज के लिए ग्राहकों को अब 10.5 फीसदी ब्याज देना होगा।एक रात के कर्ज की ब्याज दर 9.20 फीसदी होगी। छह महीने की अवधि वाले कर्ज पर ब्याज दर 10.25 फीसदी कर दी गई है। बैंकिंग उद्योग में यस बैंक का कर्ज काफी महंगा है।

भारत से हर कोई चाहता है मुक्त व्यापार समझौता, एफटीए से भारतीय बाजार तक बढ़ेगी देशों की पहुंच

नई दिल्ली ।

यूरोप और ब्रिटेन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से लेकर ओमान व पेरू जैसे कईछोटे देश भी भारत के तेजी से बढ़ते बाजार के कारण उसके साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करना चाहते हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के साथ एफटीए करने से ये देश कम या बिना किसी आयात शुल्क के बड़े खरीदारों वाले भारतीय बाजार तक पहुंच कायम कर सकते हैं। इससे उन देशों की कंपनियों को भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री करने में दूसरों के मुकाबले काफी बढ़त मिल सकती है।

बिना एफटीएवाले देशों से 75 फीसदी से ज्यादा आयात

भारत वर्तमान में अधिकतर आयात (75 फीसदी से अधिक) उन देशों से करता है, जिनसे उसका एफटीए नहीं है। इसलिए ये समझौते आकर्षक हैं क्योंकि वे भारत में महत्वपूर्ण नए बाजार अवसर प्रदान करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के साथ एफटीए की सबसे बड़ी वजह यहां का उच्च आयात शुल्क है।इस शुल्क की वजह से इन देशों के लिए भारत के बड़े व तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुंच मुश्किल हो जाती है। जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ब्रिटेन का आयात शुल्क 4.1 फीसदी, कनाडा का 3.3 फीसदी व अमेरिका का 2.3 फीसदी है। वहीं, भारत का आयात शुल्क 12.6 फीसदी से अधिक है। ब्रिटेन व कनाडा को एफटीए से अधिक लाभ हो सकता है, क्योंकि वे भारत में अपने उत्पाद उन उच्च शुल्कों के बिना बेचने में सक्षम होंगे। हालांकि, भारत को प्रस्तावित एफटीए से निर्यात में बड़ी वृद्धि मिलने की उम्मीद कम है क्योंकि जिन देशों के साथ समझौते पर बातचीत कर रहा है, वहां पहले से ही आयात शुल्क कम है।

अप्रैल-दिसंबर में नया निवेश छह वर्षों में सबसे कम, चुनाव के कारण कंपनियों ने अपनाई इंतजार करो की रणनीति

नई दिल्ली ।

देश में नया निवेश पिछले वित्त वर्ष अप्रैल-दिसंबर में छह वर्षों में सबसे कम रहा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान 10.80 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा हुई है। हालांकि, 2020 में अप्रैल-दिसंबर में 5.94 लाख करोड़ के नए निवेश की घोषणा हुई थी। उस दौरान कोरोना से लॉकडाउन होने से निवेश में कमी आई थी। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर, 2019 में 13.80 लाख करोड़ रुपये की घोषणा हुई थी। 2018 में यह 13.44 लाख करोड़ रुपये रहा था। 2021 में 13.22 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा हुई। 2022 में सबसे अधिक 21.90 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा हुई थी। पिछले साल दिसंबर तिमाही में केवल 2.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, पिछली दस तिमाहियों की तुलना में दिसंबर, 2023 में निवेश सबसे कम रहा है। इससे पहले सबसे कम निवेश जून, 2019 में रहा था, जो 2.08 लाख करोड़ रुपये रहा था। आंकड़ों के मुताबिक, निजी क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों से लगातार कम निवेश कर रहा था। लेकिन अब अप्रैल-दिसंबर में इस क्षेत्र ने सबसे ज्यादा निवेश की घोषणा की है, जो 8.50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा होगा। सरकार इसी दौरान 2.24 लाख करोड़ रुपये खर्च कर सकती है। पहला कारण इस साल होने वाला आम चुनाव है। इसलिए कंपनियां देखो और इंतजार करो की रणनीति अपना रही हैं। हर बार चुनाव से पहले ऐसा ही रुझान रहा है। अगर सरकार बदलती है तो फिर नीतियों में बदलाव से कंपनियों को नुकसान हो सकता है। इसलिए चुनाव के बाद कंपनियां निवेश को बढ़ा सकती हैं। अगर भाजपा की तीसरी बार सरकार आती है तो आर्थिक सुधारों का कार्यक्रम और तेजी से आगे बढ़ेगा जिससे कंपनियां ज्यादा निवेश कर सकती हैं। दूसरा कारण ऊंची ब्याज दरें हैं। लगाातार बढ़ रही महंगाई को रोकने के लिए आरबीआई ने 2022 में दरों में 2.5 फीसदी का इजाफा किया था, जिससे कंपनियों के निवेश की रफ्तार धीमी हो गई। तीसरा कारण ज्यादातर क्षेत्रों में क्षमता अपने शीर्ष पर है, जिससे निवेश की जरूरत नहीं है। अधिकतर क्षेत्र की कंपनियों की उत्पादन या वितरण क्षमता अपने शीर्ष पर पहुंच चुकी हैं।

देश के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में 18 महीने के निम्नतम स्तर पर, सर्वे में सामने आई यह बात

नई दिल्ली ।

न्यूनतम मुद्रास्फीति के बावजूद फैक्टरी ऑर्डर और उत्पादन में मामूली वृद्धि के बीच देश के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में घटकर 18 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से किए गए एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण से पता चला है कि फैक्ट्री ऑर्डर और आउटपुट में नरमी आई है लेकिन, आने वाले समय के लिए कारोबारी विश्वास मजबूत हुआ है।

मौसम के आधार पर समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) नवंबर के 56 से गिरकर दिसंबर में 18 महीने के निचले स्तर 54.9 पर आ गया। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।

एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 विनिर्माताओं के पैनल में खरीद प्रबंधकों को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब से तैयार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत के विनिर्माण क्षेत्र का दिसंबर में विस्तार जारी रहा, हालांकि पिछले महीनों में तेजी के बाद इसमें नरमी दिखी।

एचएसबीसी के चीफ इंडिया इकोनामिस्ट प्रांजल भंडारी ने कहा, आउटपुट और नए ऑर्डर दोनों की ग्रोथ में नरमी आई है, लेकिन दूसरी तरफ नवंबर के बाद से फ्यूचर आउटपुट इंडेक्स बढ़ा है। वृद्धि दर में कमी के बावजूद, इस क्षेत्र ने दिसंबर में मजबूती से विस्तार किया। दिसंबर के आंकड़ों से पता चला है कि भारत में माल उत्पादकों के अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर प्राप्तियों में लगातार 21वीं वृद्धि हुई है। कंपनियों ने एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका में ग्राहकों से लाभ मिलने का उल्लेख किया है। नए निर्यात की बिक्री में मध्यम गति से वृद्धि हुई जो आठ महीनों में संयुक्त रूप से सबसे धीमी रही। कीमतों के मोर्चे पर, इनपुट लागत लगभग साढ़े तीन वर्षों में दूसरी सबसे धीमी दर से बढ़ी और मुद्रास्फीति नौ महीने के निचले स्तर पर आ गई। जिन वस्तुओं के दाम बढ़ने की खबर है उनमें रसायन, कागज और कपड़ा शामिल हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, नवंबर से मुद्रास्फीति की दर ऐतिहासिक मानकों के अनुसार लगभग नगण्य और साढ़े तीन साल से कम समय में दूसरी बार सबसे कमजोर रही। भंडारी ने कहा, कच्चे माल और उत्पादन की कीमतों में वृद्धि की दरों में मोटे तौर पर कोई बदलाव नहीं हुआ। एचएसबीसी इंडिया के पीएमआई आंकड़ों से पता चलता है कि तीसरी तिमाही के अंत में विनिर्माताओं की क्षमता पर दबाव कम हुआ है। दिसंबर में रोजगार काफी हद तक स्थिर रहा।

गीतिका मेहता को निविया इंडिया ने नियुक्त किया नया प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली । गीतिका मेहता को त्वचा देखभाल के उत्पाद बनाने वाले ब्रांड निविया इंडिया ने अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। निविया इंडिया ने जारी बयान में कहा कि एफएमसीजी क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाली मेहता देश में ब्रांड का नेतृत्व करेंगी। अपनी नई भूमिका पर टिप्पणी करते हुए मेहता ने कहा कि जैसा कि हम लगातार विकसित हो रहे त्वचा देखभाल परिदृश्य को देखा करते हैं, मेरा ध्यान नवाचार को आगे बढ़ाने, ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और लाखों भारतीयों की पसंद के त्वचा देखभाल ब्रांड के रूप में निविया की स्थिति को और मजबूत करने पर होगा।' बता दें कि निविया का स्वामित्व जर्मनी की बहुराष्टीय कंपनी बीयर्सडोर्फ एजी के पास है, जो त्वचा देखभाल उत्पादों की अग्रणी कंपनी है। इसी तरह किया इंडिया ने ऐलान किया कि वह तत्काल प्रभाव से ग्वांगगु ली को प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी नियुक्त कर रही है। वह ताए जिन पार्क की जगह लेंगे, जो पिछले चार साल से दक्षिण कोरिया की कार निर्माता के भारतीय परिचालन के प्रमुख रहे हैं। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि पार्क किया के साथ 36 साल के लंबे सफर के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इधर एयरटेल अफ्रीका ने मुख्य कार्याधिकारी ओलुसेगुन 'सेगुन' ओगुनसान्या के 1 जुलाई से सेवानिवृत्त होने और उनकी जगह सुनील तलदार को देने की घोषणा की। तलदार अक्टूबर, 2023 में निदेशक (बदलाव) के रूप में एयरटेल अफ्रीका का हिस्सा बने थे। वह ओगुनसान्या के साथ मिलकर काम करते हुए सीईओ की भूमिका के लिए खुद को तैयार करेंगे।

पैट कमिंस की धारदार गेंदबाजी के बाद संकटमोचक बने आमेर जमाल; पाकिस्तान पहले दिन 313 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे व अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल पूरा हुआ। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उसकी पहली पारी 77. 1 ओवर में 313 रन पर ऑलआउट हुई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन स्टंप्स तक 1 ओवर में बिना किसी नुकसान के 6 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी पाकिस्तान के स्कोर से 307 रन पीछे है जबकि उसके सभी विकेट बचे हुए हैं। अपने अंतिम टेस्ट में बल्लेबाजी करने उतरे डेविड वॉर्नर 6 रन बनाकर नाबाद हैं। फैंस को वॉर्नर से लंबी पारी की उम्मीद होगी।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। दोनों ओपनर्स अब्दुल्लाह शफीक और सैम अय्यूब बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। शफीक को स्टार्क जबकि अय्यूब को जोश हेजलवुड ने शिकार बनाया।

पैट कमिंस की घातक गेंदबाजी – बाबर आजम (26) और कप्तान शान मसूद (35) ने पाकिस्तान की पारी संवारने की कोशिश की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की। तभी कमिंस ने आजम को एलबीडब्ल्यू आउट करके पाकिस्तान को तीसरा झटका दिया। कमिंस ने जल्द ही सउद शकील (5) को कैरी के हाथों कैच आउट कराकर मेनबान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया।

रिजवान-सलमान ने जड़े अर्धशतक – 47/4 के स्कोर से पाकिस्तान को कप्तान शाम मसूद (35) और मोहम्मद रिजवान (88) ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की। मसूद को मिचेल मार्श ने स्मिथ के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रिजवान ने आघा सलमान (53) के साथ छठे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी की। रिजवान को कमिंस ने शतक बनाने से रोका और हेजलवुड के हाथों कैच आउट कराया। रिजवान ने 103 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के की मदद से 88 रन बनाए।

कमिंस ने मारा पंजा – कमिंस ने साजिद खान (15) को नाथन लियोन के हाथों कैच आउट कराकर अपना चौथा शिकार किया। आघा सलमान अर्धशतक बनाने के बाद स्टार्क का शिकार होकर पवेलियन लौटे। सलमान ने 67 गेंदों में 8 चौके की मदद से 53 रन बनाए। जल्द ही हसन अली को कमिंस ने स्टार्क के हाथों कैच आउट कराकर अपना पांचवां शिकार किया।

जमाल ने किया कमाल – यहां से आमेर जमाल (82) ने मीर हमजा के साथ पाकिस्तान की पारी को संवारा। 227 रन के स्कोर पर 9 विकेट गंवा चुकी पाकिस्तान के लिए जमाल ने संकटमोचक की भूमिका निभाई और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर काउंटर अटैक किया। उन्होंने मीर हमजा के साथ आखिरी विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी करके पाकिस्तान को 313 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ट क्रिकेट की घटती लोकप्रियता से निराश हैं कमिंस

सिडनी । पूर्व कप्तान स्टीव वॉ के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने भी टेस्ट क्रिकेट की घटती लोकप्रियता पर चिन्ता जतायी है। कमिंस के अनुसार इससे टेस्ट क्रिकेट का भविष्य ही खतरे में पड़ गया है। कमिंस ने कहा कि आज जितने लोग टेस्ट क्रिकेट देखने आ रहे हैं। दो दशक पहले उनकी तादाद काफी अधिक थी। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि दस साल या 20 साल में यह अब से भी ज्यादा मजबूत होगा। साथ ही कहा , 'हमने पाकिस्तान के खिलाफ इससे पहले जो दो टेस्ट मैच खेले थे, उसमें अच्छी समर्थन वाली बड़ी भीड़ थी जिससे हमारा हौंसला बढ़ा है। गौरतल है कि टेस्ट क्रिकेट की अनदेखी को लेकर तब सवाल उठे थे। जब दक्षिण अफ्रीका ने अगले माह न्यूजीलैंड में होने वाली अपनी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दूसरे दर्जे की टीम भेजने की घोषणा की थी। इसका कारण ये था कि दक्षिण अफ्रीका के अधिकतर अनुभवी खिलाड़ी लीग क्रिकेट खेलने के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये थे। दक्षिण अफ्रीका की इस 14 सदस्यीय टीम में सात कैप्ड और सात अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, इस टीम में 15 टेस्ट खेलने वाले डुआने ओलिवर सबसे अनुभवी हैं। कमिंस ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड में दूसरे दर्जे की टीम भेजने का दक्षिण अफ्रीका का फैसला केवल एक बार के लिए ही होगा। उन्होंने कहा, 'मैं टेस्ट क्रिकेट को बेहद पसंद करते हुए बड़ा हुआ हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह कई चरणों से गुजरता है। मुझे पता है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम अपना सबसे मजबूत पक्ष न्यूज़ीलैंड नहीं भेज रही है। मुझे उम्मीद है कि अगली बार ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'एक टेस्ट क्रिकेट प्रेमी के रूप में, मैं चाहता हूं कि हर कोई टेस्ट क्रिकेट देख रहा हो, लेकिन मैंने आज तक क्रिकेट को इससे अधिक मजबूत कभी नहीं देखा है। कमिंस ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में हर गर्मी पिछली गर्मियों से बड़ी लगती है, लेकिन जाहिर तौर पर विदेशों में जाकर ऐसा नहीं होता। वहीं इससे पहले वॉ ने भी कहा था कि आईसीसी और अन्य बोर्ड टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण कई क्रिकेट बोर्ड टेस्ट के लिए कमजोर टीम भेज रहे हैं।

आथिया ने कठिन समय में मेरा मनोबल बढ़ाया : राहुल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा है कि सर्जरी के बाद मैदान पर उनकी वापसी में पत्नी अथिया शेट्टी की अहम भूमिका रही है। राहुल गत वर्ष चोट और रिहैब की वजह से कई मैच नहीं खेल पाए थे। इस बल्लेबाज के अनुसार तब कठिन समय में अथिया ने ही उनका मनोबल बढ़ाया था। राहुल आईपीएल 2023 के दौरान जांघ की चोट के कारण खेल से बाहर हो गये थे। इसके लिए उन्हें सर्जरी से गुजरना पड़ा। वहीं चोट से उबरकर मैदान पर वापसी करना राहुल के लिए आसान नहीं था पर उन्होंने कठिन समय से निकलकर एशिया कप 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाकर शानदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने एकदिवसीय विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया राहुल ने कहा कि मुश्किल समय में अथिया ने मेरा पूरा साथ दिया। वह हमेशा मेरे साथ रहीं हालांक कभी कभी वह ज्यादा निराश हो जाती थीं और ज्यादा गुस्सा भी हो जाती थीं। राहुल ने कहा, ' वह मेरे साथ थीं। वह हमेशा हर चीज में मेरे साथ रहीं। अधिकतर समय वह मुझसे ज्यादा निराश और गुस्से में रहीं। मैंने हमेशा उन्हें किसी अन्य चीज की तुलना में शांत रखने की कोशिश की। इसका कारण है कि ये पहला मौका था जब उन्होंने मुझे इस हालात से गुजरते हुए देखा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अभ्यास मैच में हैंड्सकॉम्ब ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे

मेलबर्न। राष्टीय चयन पैनल (एनएसपी) ने एडिलेड में करेन रोल्टन ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ पुरुष क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया11 मैच के लिए 12 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की है। वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले 10 से 12 जनवरी तक खेले जाने वाले तीन दिवसीय टूर मैच में पीटर हैंड्सकॉम्ब सीए इलेवन की कप्तानी करेंगे। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, सीए11 मैच घरेलू परिदृश्य पर हमारे कुछ उभरते हुए खिलाड़ियों को अंतरराष्टीय टीम का सामना करने के साथ-साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। टीम का मिश्रण उन खिलाड़ियों को जोड़ता है जो प्रथम श्रेणी स्तर पर अच्छी तरह से स्थापित हैं और जो अभी इस स्तर पर शुरुआत कर रहे हैं। चयनित टीम में ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो वर्तमान में बिग बैश लीग में नहीं खेल रहे हैं। हाल ही में शेफ़ील्ड शील्ड में पदार्पण करने वाले लियाम हास्केट, जैक निस्बेट और डग वॉरेन जैसे खिलाड़ियों के लिए यह स्थापित घरेलू क्रिकेटरों के साथ खेलने और सीखने के लिए और एक दौरे वाली अंतरराष्टीय टीम के खिलाफ एक रोमांचक अवसर है।

जंतर-मंतर पर कुश्ती को लेकर फिर से प्रदर्शन शुरू

निशाने पर बजरंग पूनिया, साक्षी और विनेश फोगाट

नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती में पिछले एक साल से सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सीनियर पहलवानों के प्रदर्शन के बाद भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। उसके बाद चुनाव हुए तो खिलाड़ियों ने नए अध्यक्ष संजय सिंह का विरोध किया। साक्षी मलिक ने संन्यास का एलान कर दिया और बजरंग पूनिया-विनेश फोगाट ने अपने पुरस्कार वापस कर दिए। खेल मंत्रालय ने फिर कुश्ती संघ को ही निलंबित कर दिया। एक बार फिर पहलवान जंतर-मंतर पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इस बार यह विरोध कुश्ती संघ या उसके अधिकारियों के खिलाफ नहीं बल्कि बजरंग, साक्षी और विनेश फोगाट के खिलाफ है।

भारतीय कुश्ती में चल रहे संकट ने एक नया मोड़ ले लिया जब सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने करियर के एक महत्वपूर्ण वर्ष के नुकसान के विरोध में जंतर-मंतर पर एकत्र हो गए। इस स्थिति के लिए उन्होंने शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश को दोषी ठहराया। बसों में भरकर, जूनियर पहलवान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी।

बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ लगाए नारे

लगभग 300 लोग छपरौली, बागपत में आर्य समाज अखाड़े से आए थे, जबकि कई अन्य नरेला में वीरेंद्र कुश्ती अकादमी से आए थे। कई लोग अभी भी बसों में भरे हुए हैं। सभी अपने सहयोगियों के साथ प्रदर्शन में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। सुरक्षाकर्मियों को उन्हें नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। वह बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के हाथ में बैनर थे जिन पर लिखा था, यूडब्ल्यूडब्ल्यू हमारी कुश्ती को इन तीन पहलवानों से बचाएं।

एक साल पहले शीर्ष तीन पहलवानों को मिला था भारी समर्थन

लगभग एक साल पहले जंतर-मंतर पर शीर्ष तीन पहलवान अपने उद्देश्य के लिए भारी समर्थन हासिल करने में कामयाब रहे थे। उन्होंने पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। किसान समूहों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनेताओं, महिला समूहों और कुश्ती बिरादरी के सदस्यों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के हजारों लोग मलिक, फोगाट और पूनिया के समर्थन में सामने आए।

क्या है पहलवानों की मांग

इन तीनों को अब अपने समुदाय के भीतर से विरोध का सामना करना पड़ रहा है और जंतर-मंतर पर इकट्ठा हुए लोगों ने उन पर अपना करियर बर्बाद करने का आरोप लगाया है। जनवरी 2023 से राष्ट्रीय शिविर और प्रतियोगिताएं रुकी हुई हैं क्योंकि भारतीय कुश्ती संघ को दो बार निलंबित कर दिया गया है। अब एक तदर्थ पैनल खेल का संचालन कर रहा है। विरोध करने वालों ने मांग की कि खेल मंत्रालय द्वारा खेल को चलाने के लिए नियुक्त किए गए तदर्थ पैनल को भंग करके निलंबित भारतीय कुश्ती संघ को बहाल किया जाए।

एक फोटो के कारण भारतीय क्रिकेटर को हुआ 1 करोड़ रुपये का नुकसान, आईपीएल 2024 नीलामी में बन गया बलि का बकरा

नई दिल्ली।

आईपीएल 2024 नीलामी का आयोजन 19 दिसंबर को दुबई के कोका कोला एरीना में सफलतापूर्वक हुआ। नीलामी के दौरान कई युवाओं का दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग में खेलने का सपना साकार हुआ। कई युवाओं को फ्रेंचाइजी ने मोटी रकम पर खरीदा।

इसी तरह एक खिलाड़ी हैं झारखंड़ के विकेटकीपर बल्लेबाज सुमित कुमार। सुमित कुमार की बेस प्राइस 20 लाख रुपये थी, जिन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 1 करोड़ रुपये में खरीदा था। सुमित की मां ने अपने बेटे को फोन पर यह खुशखबरी सुनाई। मां की आंखें खुशी से गीली थीं।

क्रिकेटर को लगा तगड़ा झटका

हालांकि, परिवार का आनंद ज्यादा देर नहीं टिका क्योंकि सुमित ने पता किया कि दिल्ली कैपिटल्स ने किसी और क्रिकेटर का फोटो पोस्ट किया, जो कि हरियाणा से है और उन्हें शुभकामनाएं दी। हरियाणा के इस क्रिकेटर का नाम भी सुमित कुमार है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने यह खुलासा अपनी मां के सामने किया।

मां को यह जानकर बहुत बुरा लगा कि एक फोटो के कारण उनका बेटा इतनी बड़ी गलती का शिकार हो गया। मां के आंसूओं को रोक पाना बेहद मुश्किल हो रहा था।

सुमित कुमार ने बातचीत में कहा, मेरी मां बहुत खुश थीं। वो लगातार मेरे लिए प्रार्थना कर रही थीं। मगर यह कैसे संभव हुआ मैं मानता हूं कि नाम एक जैसे हो सकते हैं, लेकिन टीवी स्क्रीन पर फ्लैश हुए फोटो का क्या मेरी फोटो वहां थी, मेरा नाम वहां था। सुमित ने साथ ही खुलासा किया कि नीलामी प्रसारणकर्ता ने बोली के समय उनका फोटो दिखाया। उन्होंने कहा, मैं अपनी मां को भावुक होने से रोकने में नाकाम रहा। वो बहुत ज्यादा भावुक थीं। वो मेरा नाम और फोटो टीवी पर देखकर बहुत खुश थीं। फिर यह हैरानीभरी घटना घट गई। दिल्ली कैपिटल्स बड़ी टीम है। मैंने उम्मीद नहीं की थी कि वो क्रिकेटर की भावनाओं से इस तरह खिलवाड़ करेंगे।

चार देशों का टूर्नामेंट खेलने दक्षिण अफ्रीका जाएगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम इसी माह दक्षिण अफ्रीका में 14 जनवरी से शुरू होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला मेजबान टीम के अलावा अलावा फ्रांस और नीदरलैंड से होगा। ये टूर्नामेंट 28 जनवरी तक चलेगा। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट से आगामी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों का अवसर मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा उसे अगले माह ओडीशा में होने वाले प्रो लीग की तैयारी करने का भी अवसर मिलेगा। हॉकी इंडिया के अनुसार इस टूर्नामेंट से पहले 39 सदस्यीय कोर बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण के परिसर में शुरु होने जा रहे ग्रुप राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भी भाग लेगा। भारतीय टीम ने एशियाई खेलों में जीत के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया था। भारतीय टीम कोचिंग शिविर में भाग लेने के बाद सीधे ही केपटाउन रवाना होगी।भारत को प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, स्पेन और आयरलैंड का सामना करना है। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा,''हमारे खिलाड़ी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के बाद तरोताजा होकर वापसी कर रहे हैं। हम दक्षिण अफ्रीका के दौरे से हॉकी सत्र की शुरुआत करेंगे। यहां से पेरिस ओलंपिक तक हमारा कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा। हमारे कोर ग्रुप में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं।

कोर ग्रुप के लिए चुने गए खिलाड़ी :

गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक, श्रीजेश पीआर, सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत।

मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फॉरवर्ड : एस कार्ति, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर।

सैंडपेपर-गेट कांड के लिए पूरी तरह से वार्नर को दोषी ठहराना बहुत नासमझी है: साइमन कैटिच

नई दिल्ली।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेटर साइमन कैटिच ने कहा कि सैंडपेपर गेट घोटाले में उनकी भूमिका के लिए डेविड वार्नर को माफ करना ऑस्ट्रेलियाई जनता के बहुमत के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन उन्हें लगता है कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज इस सजा के हकदार नहीं हैं। 2018 में, वार्नर को सैंडपेपर गेट घोटाले में उनकी केंद्रीय भूमिका के लिए एलीट क्रिकेट से एक साल का प्रतिबंध और नेतृत्व पदों से आजीवन प्रतिबंध मिला। स्टीव स्मिथ को भी क्रिकेट से एक साल का प्रतिबंध और नेतृत्व भूमिकाओं से तीन साल का प्रतिबंध तथा कैमरून बैनक्रॉफ्ट को नेतृत्व पदों से एक साल का प्रतिबंध और नौ महीने का खेल निलंबन दिया गया था। कैटिच ने एसईएन स्पोर्ट्सडे एनएसडब्ल्यू को बताया, मुझे लगता है कि पूर्ण सम्मान कहना मुश्किल है क्योंकि मुझे लगता है कि जनता का एक ऐसा तत्व हमेशा होता है जो जो हुआ उसे पसंद नहीं करता और यह सही भी है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जो किया उस पर हममें से बहुत से लोग विश्वास नहीं कर सके। लेकिन मुझे लगता है कि उस पूरे प्रकरण के लिए पूरी तरह से उसे दोषी ठहराना बहुत ही मूर्खतापूर्ण है। कैटिच ने इस घोटाले के बाद लगातार आलोचना और खराब प्रतिष्ठा का सामना करने के बावजूद विशिष्ट क्रिकेट में वापसी करने और उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने की वार्नर की क्षमता की प्रशंसा की।

मुझे लगता है कि समय के साथ, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इसके बारे में और अधिक कहा जाएगा। उन्होंने कैमरून बैनक्रॉफ्ट और स्टीव स्मिथ के साथ खुलासा किया, लेकिन मुझे लगता है, जनता को लगता है कि इसमें उन तीनों के अलावा और भी बहुत कुछ था।

उस समय, मुझे लगता है कि उसने जो किया वह यह था कि उसने शुरुआती माफी के बाद अपना मुंह बंद रखा और फिर वहां वापस जाने की कोशिश की और जितना संभव हो उतना अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश की। ऐसा करने में आसान नहीं होता।

कैटिच ने कहा, जो हो गया सो हो गया, लेकिन डेविड के लिए केपटाउन जैसी बड़ी घटना के बाद वहां वापस पहुंचने में सक्षम होना जहां वह था... यह सोचना महत्वपूर्ण था कि वह उस घटना के बाद वापस आने और अच्छा क्रिकेट खेलने में सक्षम था।

वॉर्नर एससीजी में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच में अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे हैं। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सप्ताह की शुरुआत में वनडे क्रिकेट से भी संन्यास की घोषणा की थी।

स्मिथ ने न्यूजीलैंड में कमजोर टेस्ट टीम भेजने के लिए दक्षिण अफ्रीका की आलोचना की

ऑकलैंड।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ ने फरवरी में न्यूजीलैंड के आगामी दो मैचों के दौरे के लिए एक कमजोर टेस्ट टीम का चयन करने के लिए क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) की आलोचना करते हुए कहा है कि यह एक तरह से मजाक है। दक्षिण अफ्रीका ने हाल ही में न्यूजीलैंड टेस्ट दौरे के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसकी कप्तानी सलामी बल्लेबाज नील ब्रांड करेंगे, जो टीम के सात अनकैप्ड खिलाड़ियों में से हैं।

टीम में कैप्ड टेस्ट खिलाड़ी बल्लेबाज डेविड बेडिंघम, जुबैर हमजा और कीगन पीटरसन होंगे, जो वर्तमान में भारत के खिलाफ श्रृंखला में खेल रहे हैं।

न्यूजीलैंड दौरे पर अन्य कैप्ड खिलाड़ियों में बल्लेबाज खाया ज़ोंडो, डुआन ओलिवियर और डेन पीटरसन की तेज़ गेंदबाज़ी जोड़ी और स्पिनर डेन पिड्ट शामिल हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने घरेलू मैदान पर एसए20 लीग के दूसरे सीज़न के साथ श्रृंखला के टकराव के कारण एक कमजोर टेस्ट टीम को मैदान में उतारने का फैसला किया है।

एसईएन रेडियो पर स्मिथ ने कहा, हमारा (न्यूजीलैंड) दक्षिण अफ्रीका में खेल में बहुत गौरवपूर्ण रिकॉर्ड है। मुख्य रूप से रग्बी के माध्यम से, ऑल ब्लैक्स (और) स्प्रिंगबोक्स महान प्रतिद्वंद्वियों में से एक है। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के प्रति हमारे मन में हमेशा बहुत सम्मान रहा है। तो, पूरी तरह से ईमानदार होने के लिए, इस समय हमारे लिए यह एक झटका जैसा है।

फ्रंटलाइन टेस्ट खिलाड़ी जैसे तेम्बा बावुमा, एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन, हेनरिक क्लासेन, रासी वैन डेर डुसेन, वियान मुल्डर, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, एनरिक नॉर्टजे, गेराल्ड कोएत्ज़ी, केशव महाराज, टोनी डी ज़ोरज़ी, नांद्रे बर्गर और साइमन हार्मर एसए20 में खेलेंगे, क्योंकि वे राष्ट्रीय कर्तव्यों पर होने के बजाय घर पर लीग में खेलने के लिए बाध्य हैं।

इस कदम पर भारी आलोचना के बीच, सीएसए बोर्ड ने कहा कि यह श्रृंखला और एसए20 के दूसरे संस्करण के बीच शेड्यूलिंग संघर्ष के कारण न्यूजीलैंड दौरे पर कमजोर टेस्ट टीम के भेजने का एक अनूठा उदाहरण है।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड (सीएसए) ने इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड की यात्रा करने वाली टेस्ट टीम की संरचना के बारे में चिंताओं को नोट किया है। हम प्रशंसकों को आश्वस्त करते हैं कि सीएसए टेस्ट प्रारूप के शिखर के रूप में उसके प्रति अत्यंत सम्मान रखता है।

इस दौरे की तारीखें तब निर्धारित की गईं जब 2022 में 2023-2027 के लिए फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) को अंतिम रूप दिया गया था। उस स्तर पर एसए20 के लिए विंडो निर्धारित नहीं की गई थी। एक बार जब यह स्पष्ट हो गया कि टकराव होगा, तो हमने न्यूजीलैंड क्रिकेट के परामर्श से इस 2 टेस्ट श्रृंखला के लिए एक और पारस्परिक रूप से उपयुक्त समय-स्लॉट खोजने का हर संभव प्रयास किया।

अफसोस की बात है कि वैश्विक क्रिकेट कैलेंडर द्वारा लगाई गई बाधाओं ने इसे असंभव बना दिया, क्योंकि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के हिस्से के रूप में मैच अप्रैल 2025 से पहले खेले जाने चाहिए।

हम इस दौरे के लिए चयनित खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए मुख्य कोच शुक्री कॉनराड और उनके स्टाफ की सराहना करते हैं, और हमें विश्वास है कि वे सम्मान के साथ प्रोटियाज़ बैज का प्रतिनिधित्व करेंगे। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। यह गहराई प्रदर्शित करने का एक अवसर है दक्षिण अफ्रीका में हमारे पास जो प्रतिभा है।

एफटीपी के शेष भाग के लिए हमारा कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रबंधित किया गया है कि हमारी द्विपक्षीय प्रतिबद्धताओं और एसए20 के बीच कोई और टकराव नहीं होगा। सीएसए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और एसए20 को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, एक टूर्नामेंट जो हमारे द्वारा शुरू किया गया था खेल को आगे बढ़ाने और बनाए रखने में मदद करने के लिए।

स्वास्थ्य के गुणों से भरपूर है बथुआ, जानिए इसके फायदे

सर्दी के मौसम में आपको ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए जो शरीर को गर्म रखने के साथ-साथ बीमारियों से भी बचाएं। ठंड के मौसम में आपको कई तरह समस्याएं जैसे शरीर के कई हिस्सों में दर्द होना, पुरानी चोट में तकलीफ, त्वचा में रूखापन, बदहजमी और जोड़ों का दर्द का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बथुआ सब्जी का सेवन इन सभी समस्याओं को दूर कर सकता है। इस सब्जी को अपनी डाइट में शामिल करके आप इन परेशानियों से छुटकारा पा सकते है। इसके अलावा बथुआ सब्जी का सेवन आपको पथरी से लेकर दिल की बीमारियों से बचाता है।

1. गुर्दे की पथरी : गुर्दे में पथरी को बाहर निकालने के लिए बथुआ सब्जी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसके रस में शक्कर मिलाकर पीने से पथरी जल्दी गल जाती है।

2. लीवर: विटामिन्स और आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर इस सब्जी का साग बनाकर रोजाना खाने से लीवर मजबूत होता है। इससे आप लीवर के रोगों से बचे रहते है।

3. दिल की बीमारी: बथुआ सब्जी की लाल पत्तियां खाने से दिल की बीमारियां और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। इसके अलावा रोजाना इसका सेवन दिल को स्वस्थ रखता हैं।

4. जलने की चोट : अगर आप कहीं से जल जाए तो बथुए के पत्तों को पीसकर इसका लेप लगाएं। इससे जलन के दर्द से तुंरत आराम मिल जाएगा और जले की चोट भी जल्दी ठीक होगी।

5. कब्ज : बथुए का रस रोजाना पीने से कब्ज और एसीडिटी की समस्या दूर होती है। इसके अलावा इसका उबला हुआ पानी पीना भी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

6. इम्यून सिस्टम : विटामिन्स, मिनरल्स, कॉपर, मर्करी और गोल्ड के गुणों वाली बथुआ सब्जी में दही मिलाकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। हेल्दी डाइट के लिए यह सबसे ऑप्शन है।

प्रैग्नेंसी में बदलते मूड को कैसे रखें खुशनुमा

गर्भावस्था औरतों के लिए बहुत अच्छा अनुभव है। इस समय औरत को एक ओर तो मां बनने की खुशी और दूसरी और शरीर में आने वाले बदलाव रोमांचित करते हैं। यह बात सही है कि गर्भावस्था बहुत अच्छा अनुभव हैं लेकिन इस दौरान शरीर में होने वाले हार्मोंस एस्टोजन के कारण मां बनने वाली महिला को कई तरह के मानसिक और शारीरिक बदलावों से भी गुजरना पड़ता है, जिससे उसके अंदर भावात्मक उतार-चढाव होता रहता है। एक ही पल में खुशी और दूसरे पल परेशानी या चिंता का कारण हार्मोंस ही होते हैं। मूड में बदलाव होना प्रैग्नेंसी पीरियड का सामान्य सा हिस्सा है और यह स्थाई नहीं होता। पहली तिमाही के बाद परेशानी और चिंता से राहत मिलने लगती है। आप भी अपने बदलते व्यवहार से चिंतित हैं तो जानिए, इसे खुशनुमा रखने के कुछ उपाय

गर्भावस्था के दौरान मूड को सही रखने के तरीके

- **पर्याप्त नींद लें:** प्रैंग्नेंसी में आराम बहुत जरूरी है क्योंकि इस दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। इसके साथ ही भूर्ण का विकास भी होता है। अगर आराम नहीं करेंगे तो थकावट महसूस होगी जिससे स्वभाव चिड़चिड़ा भी होगा। दिमागी और शारीरिक थकान मानसिक परेशानी का कारण बन सकती है। सबसे अच्छा तरीका है कि काम के साथ-साथ बीच-बीच में थोड़ा आराम करते रहें। कम से कम 8 से 9 घंटे की नींद जरूर लें। थकावट कम होगी तो आपका मूड भी खुशनूमा बना रहेगा।
- **स्वस्थ्य और संतुलित आहार:** भूखे रहने से अजीब सी बैचेनी होती हैं और शरीर में एनर्जी होने लगती हैं जिससे स्वभाव में भी सुस्ती आ जाती है। भूखे रहने से शरीर में रक्त शर्करा की कमी सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं। अपने खाने का खास ख्याल रखें क्योंकि आपके खाने-पीने से ही बच्चे का भी विकास होगा। संतुलित आहार जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, सलाद, जूस आदि को अपने खाने में जरूर शामिल करें। एक बार खाने की बजाएं थोड़ी-थोड़ी देर के अंतराल में कुछ न कुछ खाते रहें। इससे मानसिक परेशानी से भी बचाव रहेगा।
- **पति और दोस्तों के साथ बिताएं समय:** गर्भावस्था में अकेले बैठे रहने से भी तनाव बढ़ता है,जिसका सीधा असर आपके मूड पर भी पडेगा। इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका है कि अपने पार्टनर के साथ समय बिताएं। कभी-कभी दोस्तों के साथ मस्ती करें। पार्टी करें,एक साथ फिल्में देखें और पुरानी यादों को ताजा करें। इससे आप खुश और फ्रेश रहेंगी।
- **अपने शौंक को पूरा करें:** प्रैग्नेंसी पीरियड्स के दौरान आपके पास अपना शौंक पूरा करने का बहुत अच्छा समय होता है। आप पेंटिग करके, किताबें पढ़कर, म्यूजिक सुनकर या फिर डायरी लिखकर भी अपने मूड को अच्छा रख सकती हैं। कुछ महिलाएं अपने आपको एनर्जैटिक रखने के लिए अपने बैबी बम्प पर भी खूबसूरत कलरफुल पेंटिंग करवाती हैं।
- **बॉडी मसाज करवाएं:** थकान से आपका मूड आलसी हो जाता है। शरीर को आराम देने के लिए हल्की-फुल्की मालिश जरूर करवाएं। हाथों-पैरों में स्वैलिंग आ जाती हैं। ऐसे में पैडीक्योर और मैनीक्योर करवाने से भी बहुत आराम मिलता है।
- **समय निकाल कर जरूर टहलने जाएं:** सारा दिन घर बैठकर भी बोरिंग लगने लगता है। हर रोज दिन में एक टाइम निश्चित कर लें और आधे घंटे के लिए पार्टनर के साथ जरूर टहलने जाएं।

पुरुषों के लिए भी जरूरी हैं ये चीजें

अमूमन पुरुष सौंदर्य को लेकर उतने सजग नहीं होते जितनी महिलायें होती हैं। यहां तक कि पुरुषों के शेविंग किट में भी सभी जरूरी चीजें नहीं होती हैं। लेकिन भले ही पुरुष ग्रूमिंग के उत्पादों को लेकर बहुत अधिक ध्यान नहीं देते फिर भी उनके बॉथरूम कैबिनेट में कुछ जरूरी चीजें जरूर होनी चाहिए। इन चीजों से आपकी त्वचा में निखार तो आएगा साथ ही आपको त्वचा संबंधी समस्यायें भी नहीं होंगी। आइए हम आपको बताते हैं कि पुरुषों के बाथरूम कैबिनेट में क्या-क्या होना चाहिए।

जरूरी है बॉडी वॉश

सुबह नहाना जितना जरूरी है उससे कहीं अधिक जरूरी है सही तरीके से नहाना, क्योंकि अगर आप सही तरीके से स्नान नहीं करेंगे तो आपका शरीर पूरी तरह से साफ नहीं होगा और बैक्टीरिया आपके शरीर में होंगे ही। इसलिए अपने बाथरूम में एमिनो एसिड युक्त बॉडी वॉश जरूर रखें। इससे पूरे दिन आपकी त्वचा को नमी मिलेगी और त्वेचा में रूखापन नहीं आएगा।

शैंपू और कंडीशनर

बालों को झड़ने से बचाने के लिए और बालों संबंधित दूसरी समस्या से बचाने के लिए जरूरी है, कि नियमित रूप से बालों की सही तरीके से देखभाल की जाए। अमूमन पुरुष बाल धोने के लिए शरीर में लगाने वाले साबुन का प्रयोग करते हैं जो बालों को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए नियमित रूप से शैंपू और कंडीशनर का प्रयोग पुरुषों के लिए करना भी जरूरी है। शैंपू और कंडीशनर से स्कैल्प माइश्चराइज होता है और बालों के झड़ने की समस्या नहीं होती।

अच्छी गुणवत्ता वाला रेजर

शेव करने के लिए पुरुषों को रेजर की जरूरत पड़ती है, लेकिन अगर रेजर अच्छा नहीं है या पुराने स्टाइल का है तो इसके कारण कट लग सकता है या फिर संक्रमण हो सकता है। इसलिए आधुनिक वाले (तीन या पांच ब्लेरड लगे) रेजर का ही प्रयोग करें। इसके अलावा बैटरी वाले ट्रिमर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

शेविंग क्रीम भी जरूरी है

अच्छी और आरामदायक शेव के लिए शेविंग करने से पहले शेविंग क्रीम का प्रयोग करना बहुत जरूरी है। दाढ़ी पर रेजर लगाने से पहले अगर शेविंग क्रीम का प्रयोग न किया जाये तो त्वचा सख्त रहती है जिसके कारण कट लगने की संभावना बढ़ जाती है और साथ ही रेजर के संपर्क में आने से त्वचा पर रैशेज भी पड़ सकते हैं। इसलिए पुरुषों को उनके किट में शेविंग क्रीम जरूर रखना चाहिए।

क्लींजिंग जेल

चेहरे की त्वचा शरीर के दूसरे अंगों की तुलना में अधिक मुलायम और संवेदनशील होती है। अगर चेहरे पर सामान्य साबुन का प्रयोग किया जाए तो इससे त्वचा की नमी कम होती है और त्वचा ड्राई हो जाती है। इसलिए त्वचा की प्राकृतिक नमी बरकरार रखने के लिए क्लींजिंग जेल का प्रयोग करना चाहिए।

मॉइश्चराइजर

माइश्चराइजर केवल उन लड़कों के लिए नहीं है जिनकी स्किन ड्राई होती है। जबकि मॉइश्चराइज का प्रयोग सभी के लिए बहुत जरूरी होता है। दरसअल सूर्य से निकलने वाली अल्ट्रा वॉयलेट किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचाती है, इससे बचने के लिए एसपीएफ15 वाला मॉइश्चराइजर क्रीम का प्रयोग करना बहुत जरूरी है।

टूथपेस्ट और टूथब्रश

मुंह और दांतों को बीमारी से बचाने के लिए नियमित ब्रश करना बहुत जरूरी है। लेकिन अगर सही ब्रश और टूथपेस्ट का प्रयोग न किया जाए तो दांत अच्छे से साफ नहीं हो पाते और दांतों में संक्रमण हो सकता है। इसलिए ऐसे ब्रश का चुनाव कीजिए जो मुलायम हो और दांतों पर अधिक दबाव न पड़े। ऐसे टूथपेस्ट का प्रयोग कीजिए जिसमें सोडियम क्लोराइड हो जो कि कैविटी से बचाता है।

डियोड्रेंट भी जरूरी है

अच्छी सुगंध सबको अपनी तरफ खींचती है। इसलिए डियोड्रेंट का प्रयोग करना भी जरूरी है। आपका डियोड्रेंट ऐसा हो जो आपके कपड़े पर दाग न लगाए और न ही उसमें ऐसे केमिकल हों जो त्वाचा को नुकसान पहुंचाएं। इसलिए अपने बाथरूम में अच्छी गुणवत्ता वाला डियोड्रेंट प्रयोग करें।

इन 5 ग्रुमिंग टिप्स से पुरूष दिखेंगे हैंडसम और स्मार्ट

क्या कोमल त्वचा पर सिर्फ महिलाओं का ही अधिकार है? क्या पुरूषों पर केवल कटीली दाढी ही अच्छी लगती है? ऐसा बिल्कुल भी नहीं है, स्त्री और पुरूष दोनों को ही अपनी त्वचा का ख्याल रखने का अधिकार है। सभी खुद को खूबसूरत और आकर्षक बना सकते हैं। आज हम

पुरूषों के लिए ऐसे टिप्स लेकर आए हैं जिससे वे हैंडसम और स्मार्ट दिखेंगे।

*** शेविंग के बाद–** शेविंग के बाद अपने चेहरे पर क्रीम या लोशन लगाना न भूलें। सिर्फ यही नहीं नहाने के बाद भी क्रीम लगाएं साथ ही सर्दियों में तो अपनी त्वचा का विशेश ख्याल रखें।

*** त्वचा को रखें साफ–** अपनी त्वचा को साफ करना बहुत जरुरी है क्योंकि महिलाओं के मुकाबले आदमियों की त्वचा की तेल ग्रंथी काफी सक्रिय रहती है। इसलिए आदमियों की त्वचा पर ब्लैकहेड आ जाते हैं और वह ऑयली हो जाती है।

*** सोने से पहले–** सोने से पहले अपने चेहरे पर ऑलिव आइल यानी की जैतून का तेल लगाना कभी न भूलें। इसके साथ ही नहाने के बाद भी बादाम के तेल से मसाज भी करें।

*** मॉश्चराइज़र–** इसके साथ ही सर्दियों में बॉडी लोशन और गर्मी के मौसम में धूप में निकलते समय सनस्क्रीन और लगाना कभी न भूलें।

* **स्क्रब करें–** अपने चेहरे को हफ्ते में दो बार स्क्रब करें जिससे चेहरा स्मूथ और कोमल बना रहें। इससे चेहरे पर जमीं गंदगी साफ हो जाती है। चेहरा ग्लो करने लगता है।

वर्कप्लेस पर ये बातें न करें...

वर्क प्लेस पर आपको बेहद सावधान और सतर्क रहने की जरूरत होती है। अगर आप अपने कार्यस्थल पर कुछ विवादित टॉपिक पर बातचीत करते हैं तो सहकर्मियों के बीच आपकी इमेज अप्रिय बन जाती है। इसलिए इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि कार्यस्थल पर विवादित विषयों और चर्चाओं से बचे।

धार्मिक विश्वास पर चर्चा

कार्यस्थल पर अपने धार्मिक विश्वास पर चर्चा करने से हमेशा बचें। इसके अलावा किसी भी धर्म की बुराई और उस पर वाद-विवाद की स्थिति से हमेशा दूर रहना चाहिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कार्यस्थल पर अपने धर्म को छुपा कर रखें। आप अपने धर्म पर गर्व करें लेकिन किसी दूसरे धर्म पर विवादित बातचीत न करें।

राजनीतिक विषय पर चर्चा

अक्सर लोग अपने राजनीतिक विश्वास के प्रति भावुक हो जाते हैं और कार्यस्थल पर लंबी राजनीतिक वाद-विवाद और चर्चा छेड़ देते हैं। ऐसा करने से हमेशा बचना चाहिए। अपने वर्क प्लेस पर अपने पसंदीदा नेता की अच्छाई और विपक्ष की बुराई जैसी चर्चाओं से दूर रहें इससे कार्य में खलल पड़ता है।

अंतरंग जिंदगी की चर्चा

कार्यस्थल पर अपने निजी और अंतरंग जीवन के बारे में बातचीत न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे दूसरे व्यक्तियों को असहज की स्थिति से दो चार होना पड़ता है। ऐसा भी हो सकता है कि आपको हरासमेंट की स्थिति का सामना करना पड़े। इसलिए, कार्यस्थल पर अपनी निजी जिंदगी और अंतरंग जीवन पर बातचीत न करें।

रेसिपी

मुगलई पराठा

सामग्री

मैदा :100 ग्राम ,नमक: 1/2 टीस्पून
चीनी:1/2 टीस्पून , तेल: 1 टेबलस्पून
गर्म पानी: 80 मिलीलीटर
तेल: 1 टेबलस्पून ,अंडा: 2 मटन कीमा: 50 ग्राम ,प्याज: 2 टेबलस्पून, हरी मिर्च: 1 टीस्पून ,अदरक: 1 टीस्पून, धनिया: 1 टेबलस्पून ,मूंगफली- 1 टेबलस्पून, ब्रेड क्रम्बस: 2 टेबलस्पून नमक: 1 टीस्पून

विधि

–एक बाउल में 100 ग्राम मैदा, 1/2 टीस्पून नमक, 1/2 टीस्पून चीनी और 1 टेबलस्पून तेल डालकर मिक्स करें। अब इसमें 80 मिलीलीटर पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इस पर 1 टेबलस्पून तेल लगाकर 30 मिनट के लिए रख दें। दूसरे बाउल में 2 अंडे, 50 ग्राम मटन कीमा, 2 टेबलस्पून प्याज, 1 टूस्पून हरी मिर्च, 1 टीस्पून अदरक, 1 टेबलस्पून धनिया, 1 टेबलस्पून भूनी हुई मूंगफली, 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्बस और 1 टीस्पून नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसे समतल सतह पर रख कर बेलन की मदद से प्लेन बेल लें। अब इसके अंदर आयताकार शेप में मिलाकर डाल लें। इसके बाद इसे दोनों तरफ से फेल्ड करके हल्का सा दबाएं। इसकी बाद दूसरी तरफ से भी फोल्ड करके हल्का-सा दबा दें, ताकि यह खुल न जाए। एक पैन में तेल गर्म करके उसमें इस पराठें को गोल्डन बाउन और क्रिस्पी होने तक फाई करें। आपका मुगलाई पराठा बन कर तैयार है। अब आप इसे चटनी के साथ सर्व करें।

पनीर समोसा

सामग्री

8 समोसा पट्टियां , **भरावन मिश्रण के लिए:** 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 कप बहुत बारीक कटे प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 कप बहुत बारीक कटी शिमला मिर्च, 1 1/2 टी-स्पून अमचूर पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 कप बहुत बारीक कटा पनीर, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया, **परोसने के लिए:** पुदीना चटनी

विधि

भरावन मिश्रण के लिए: एक चौड़े पैन में तेल गरम कीजिए। जीरा डालिए। जब ज़ीरा चटकने लगे तो प्याज और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनिए। शिमला मिर्च, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पनीर, नमक तथा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाइए। मध्यम आंच पर और 2 मिनट भूनिए। पूरी तरह ठंडा कीजिए और मिश्रण को बराबर 8 भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: समोसा पट्टी को सूखी, साफ, समतल जगह पर रखिए। पट्टी के एक कोने पर 1 भाग भरावन मिश्रण रखिए और तीकोण के रूप में मोडिए। किनारों पर थोडा पानी लगाकर समोसे को बंद कर दीजिए। (नीचे दिए गए चित्रों की सहायता लीजिए)। शेष बची सामग्री और पट्टियों से यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 7 समोसे बनाइए। एक कड़ाही में तेल गरम कीजिए और थोड़ा-थोड़ा करके समोसों को चारों तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए। तेल सोखनेवाले कागज पर निकालिए और पुदीना चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

यंगस्टर्स की च्वॉइस बने मोटे फ्रेम के चश्मे

स्कूल या कॉलेज डेज में आपने अपने फ्रेंड्स और क्लासमेट्स को चश्मिश या बैट्री जैसे नाम तो कई बार दिए होंगे। अक्सर इस तरह की चुटकी का हिस्सा बनने वाले लोगों का चश्मा ही अब उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। 70 और 80 के दशक में पॉपुलर मोटे फ्रेम वाले चश्मों का दौर एक बार फिर से वापस आ गया है। फिर चाहे ये जवानी है दीवानी की दीपिका पादुकोण हों या टू स्टेट्स के आशिक मिजाज अर्जुन कपूर हों। जब स्टार्स इस तरह के मोटे फ्रेम वाले चश्मों से अपने चाहने वालों को इंप्रेस कर रहे हैं

चेहरे के अनुसार खरीदें फ्रेम

रविराज ने बताया कि चश्मे का फ्रेम पसंद करते समय सबसे पहले देखिए कि आपको कैसा फ्रेम चाहिए। अपने दोस्तों, परिवार वालों से भी पूछें कि आपके ऊपर किस तरह का फ्रेम आपकी सुंदरता को और बढ़ाएगा। क्योंकि चश्मा आपकी खूबसूरती का भी हिस्सा है इसलिए जो भी फ्रेम खरीदें, वह आपके चेहरे पर फिट होने के साथ पर्सनैलिटी पर भी सूट करना चाहिए। उन्होंने बताया कि पहले चश्मा लगाना बेशक मजबूरी रही हो, पर अब यह खास तौर से युवाओं में फैशन का हिस्सा बनते जा रहे हैं। अब खुद को स्टाइलिश दिखाने की चाहत में युवा चश्मा पहनने लगे हैं। कोई आंखों की कमजोरी के कारण चश्मा पहनता है तो कोई यूं ही स्टाइल स्टेटमेंट के लिए। अब कारण चाहे जो भी हों यूथ में चश्मों को लेकर भी काफी क्रेज है। ज्यादातर युवा स्टाइलिश फ्रेम वाले चश्मे पहने दिखते हैं। लेकिन कुछ लोग आज भी यही सोच रखते हैं कि चश्मा पहनना बहुत बोरिंग है। लेकिन अब हकीकत में ऐसा नहीं है। अगर आप थोड़ी सूझबूझ के साथ अपने रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि को ध्यान में रखकर अपने लिए चश्मे का फ्रेम चुनेंगे तो आपकी खूबसूरती और भी निखर कर सामने आएगी।

लोगों का बढ़ा क्रेज

पहले जो चश्मे मार्केट में अवेलेबल होते थे उन्हें देखकर निराशा होती थी। वे ठीक वैसे ही थे कि उन्हें पहनने के बाद खुद की लुक्स के लिए निगेटिव सोच आ जाती थी, पर अब ऐसा नहीं है। चश्मे के प्रति लोगों के बढ़ते क्रेज के चलते कई देसी विदेशी ब्रांड के चश्मे बनाने वाली कई कंपनियां बाजार में उतर आई हैं। लोगों के सामने ढेरों विकल्प हैं। अब बोल्ड लुक वाले और रंगीन फ्रेम के चश्मे भी लोकप्रिय हो रहे हैं। सेलिब्रिटीज में तो ये आम हैं। मोटे फ्रेम वाले चश्मे जिन्हें लोग पसंद नहीं करते थे, वे अब फिर से लोकप्रिय होने लगे हैं। अब तो लोग अलग-अलग रंगों के कई-कई जोड़ी चश्मे भी रखने लगे हैं, ताकि कपड़ों के रंग के हिसाब से मैच करते फ्रेम वाले चश्मे पहने जा सकें

हीरो-हीरोइन ने बढ़ाई डिमांड

चश्मों का ट्रेंड फिल्मों के साथ बदलता जा रहा है। 'जय हो' में सलमान खान का रंग-बिरंगा चश्मा भी मार्केट में खूब छाया हुआ है। 'कमबख्त इश्क' में करीना कपूर का चश्मा भी गर्ल्स में खूब पॉपुलर है । दीपिका का चश्मा वाला नया लुक गर्ल्स को अट्रैक्ट कर रहा है। अनिल कपूर, ऋतिक रोशन, शाहरुख खान, प्रतीक बब्बर, अनुष्का शर्मा व महेंद्र सिंह धोनी ने स्टाइलिश चश्मा पहना।

बालों के रंग का भी है महत्व

चश्मे का रंग आपके बालों को कांप्लिमेंट करता है, तो आप स्टाइलिश लगेंगे। अगर बाल काले या गाढ़े भूरे हैं,तो आप डार्क शेड्स, बोल्ड कलर्स और एक से अधिक शेड्स के कांबिनेशन वाले चश्में पहन सकते हैं। अगर आपके बाल हल्के भूरे रंग के हैं तो मेटल या पेस्टल शेड्स के लाइट फ्रेम आप पर अधिक फबेंगे।

आंखों के लिए चश्मा जरूरी

अमेरिकन ऑप्टीकल्स के संचालक रवि राज ने बताया कि सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के रैटिना पर सीधा प्रभाव डालती हैं। धूलमिट्टी, हवा में मौजूद बैक्टीरिया आंखों को नुकसान पहुंचाते हैं। चश्मा आंखों पर कवच के रूप में काम करता है, आंखों को इन सब परेशानियों से दूर रखता है। आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा बहुत ही जरूरी होता है, लेकिन इस का चुनाव बहुत ही सोचसमझ कर करना चाहिए। सस्ते किस्म का लैंस आंखों की सुरक्षा करने में सफल नहीं होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**